B-1_Layout 1 1/11/2022 8:34 PM Page 1

पश्चिम बर्दवान में कोरोना की रफ्तार में तेजी, लोग अब भी लापरवाह पेज-3 | कोरोना संक्रमण रोकने के लिए शुरू हुई डॉक्टर्स ऑन व्हील्स सेवा पेज-6 | टेस्ट में टॉस जीतने का विराट कोहली का नया रिकॉर्ड पेज-08

बुधवार, 12 जनवरी 2022
पौष शु.प., दशमी, विक्रमीय संवत् 2078
मूल्य Rs. 3, (हवाई क्षेत्र) Rs. 4
वर्ष : 17, संख्या : 42, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483

भारतमित्र LIVE
login.www.bharatmitralive.com

खबरों की नई पहचान

भारतमित्र

BHARATMITRA, KOLKATA, WEDNESDAY, 12 JANUARY, 2022

कोरोना : बुजुर्गों के लिए मोलनुपिराविर को मिली मंजूरी, 15 से 45 वर्ष की महिलाओं के लिए बताया खतरनाक

नई दिल्ली : नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन (एनटीएजीआई) ने मंगलवार को एंटीवायरल दवा मोलनुपिराविर के इस्तेमाल को कुछ सुझावों के साथ मंजूरी ददे दी है।

एनटीएजीआई के चेयरमैन डॉ. एन.के. अरोड़ा ने कहा कि मोलनुपिराविर ड्रग मरीजों को हॉस्पिटलाइजेशन और आईसीयू में भर्ती होने से बचाती है। उन्होंने कहा कि ये दवा बुजुर्गों को दी जानी चाहिए। खास तौर से उन बुजुर्गों को, जो पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने सलाह दी कि यह दवा प्रजनन की उम्र वाली महिलाओं के लिए घातक साबित हो सकती है, इसलिए उन्हें नहीं जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि मोलनुपिराविर का बेवजह इस्तेमाल खतरनाक साबित हो सकता है। पिछले साल दिसंबर में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस एंटी वायरल ड्रग के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। विशेषज्ञों का दावा है कि यह दवा कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर भी कारगर है। मोलनुपिराविर को सर्दी-जुकाम के मरीजों के लिए बनाया गया था। यह वैक्सीन नहीं, बल्कि ओरल ड्रग है। इसे फार्मा कंपनी मर्क और रिजबैक ने बनाया है। अब इसका इस्तेमाल कोरोना मरीजों पर भी किया जा रहा

है। इसे कोरोना से संक्रमित 18 साल से ज्यादा उम्र के गंभीर मरीजों को दिया जाएगा। मोलनुपिराविर दवा वायरस के जेनेटिक कोड में गड़बड़ी कर उसकी फोटोकॉपी होने से रोकती है।

70 से 80 फीसदी कारगर है मोलनुपिराविर : विशेषज्ञों के मुताबिक जिन मरीजों में शुरुआती लक्षण थे, उन्हें मोलनुपिराविर देने से हालत में सुधार देखा गया। डॉक्टरों का मानना है कि शुरुआत में यदि इसे दिया जाए, तो संक्रमण को अधिक फैलने से रोका जा सकता है। इस स्थिति में यह दवा 70 से 80 फीसदी तक प्रभावी है। मोलनुपिराविर का इस्तेमाल अभी ब्रिटेन और अमेरिका में हो रहा है। ब्रिटिश हेल्थ एजेंसियों का दावा है कि यह सेफ और इफेक्टिव है। भारत में यह कैप्सूल केवल उन मरीजों को दिया जाएगा, जिनका ऑक्सीजन लेवल 93 फीसदी से ज्यादा है और जिनमें कोरोना के गंभीर लक्षण हैं। यह डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन के बिना नहीं दी जा सकेगी।

अमेरिका में 12 साल से ज्यादा उम्र वालों को दी जा रही पैक्सलोविड : अमेरिका ने फाइजर की कोविड-19 दवा पैक्सलोविड को भी मंजूरी दी है। कोरोना से लड़ने वाली यह दुनिया की पहली ओरल एंटीवायरल पिल है। पैक्सलोविड को मंजूरी देने के एक दिन बाद ही अमेरिका ने मोलनुपिराविर को भी मंजूरी दे दी थी।

गंगासागर : शर्तों में बदलाव कर हाईकोर्ट ने मेले को फिर दी मंजूरी

कोलकाता: गंगासागर मेला निगरानी कमेटी से आखिरकार बीजेपी नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को बाहर कर दिया गया। साथ ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने सागर मेले के लिए फिर से मंजूरी दे दी। मुख्य न्यायधीश प्रकाश श्रीवास्तव एवं केसांग डोमा भूटिया के खंडपीठ ने मंगलवार को शर्तों में फेरबदल कर मेले को हरी झंडी दिखायी। गौरतलब है कि गंगासागर मेले को लेकर हाईकोर्ट ने सबसे पहले जो फैसला सुनाया था, उस फैसले में गंगासागर मेला ग्राउंड को ही ÷नोटिफाइड एरिया÷ (अधिसूचित क्षेत्र) निर्धारित किया था। इस मामले में राज्य सरकार के कुछ निर्देश हैं जिनमें कहा गया है कि ÷नोटिफायड एरिया÷ में कितने लोग रहेंगे। एक साथ कितने लोग एकत्रित हो पाएंगे। हालांकि 50 की संख्या निर्धारित की गयी थी। अगले ही दिन वकीलों ने कोर्ट में फिर एक अर्जी देकर कहा था कि पूरे द्वीप को ही ÷नोटिफायड एरिया÷घोषित किया जाये। मंगलवार के निर्देश में

गंगासागर मेला निगरानी कमेटी से शुभेंदु हुए बाहर

हाईकोर्ट ने पूरे गंगासागर इलाके को ही ÷नोटिफायड एरिया÷ घोषित कर दिया यानी राज्य सरकार के जो भी निर्देश हैं, वे उस एरिया में मान्य होंगे। इसी के साथ 3 सदस्यों की एक कमेटी तैयार की गयी थी जिसे भंग कर दिया गया। नये फैसले में दो सदस्यों की कमेटी तैयार की गयी है। कमेटी में शुभेंदु अधिकारी भी थे जिन्हें कमेटी से अलग कर दिया गया। शुभेंदु को कमेटी में शामिल किये जाने को लेकर राजनैतिक चर्चा शुरू हो गयी थी। सागर मेले को राजनीतिक रंग दिया जाने लगा था। यहां तक कि डॉक्टर व विशेषज्ञों को लेकर कमेटी गठन की बात कही जा रही थी। मंगलवार को जिन दो सदस्यों को लेकर कमेटी गठित की गयी है उनमें सेवानिवृत्त न्यायधीश समासि चटर्जी और कानून सेवा सचिव को रखा गया है।

72 घंटे पहले आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव होने पर गंगासागर में प्रवेश : कोविड को लेकर इस बार गंगासागर मेले में प्रवेश पर और कड़ाई की जा रही है। मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुरानी शर्तों में बदलाव करते हुए कई सख्त नियम बनाये हैं। मेले में प्रवेश के लिए वैक्सीन की दोनों डोज के अलावा 72 घंटा पहले आरटी-पीसीआर की नेगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य होगी। पूरे मेला क्षेत्र को नोटिफाइड जोन (अधिसूचित क्षेत्र) घोषित किया गया है। दोनों डोज लेने वाले और 72 घंटा पहले आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव वालों को ही नोटिफाइड जोन में प्रवेश का अनुमति होगी।

सीएम ममता बनर्जी आज करेंगी आउट्राम घाट के शिविरों का दौरा

कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंगासागर मेले को सशर्त हरी झंडी दे दी है। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को बाबूघाट में तीर्थयात्रियों के विश्राम शिविर का दौरा करेंगी। वे वहां से गंगासागर मेले की तैयारियों का जायजा लेंगी। वहीं मुख्यमंत्री स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि भी देंगी। कोरोना को ध्यान में रखकर अलग स्टेज बनाया गया है। एक मंच पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी होंगी जबकि बाकी मेहमान अलग स्टेज पर होंगे। हालांकि, सोमवार के आंकड़ों के मुताबिक गंगासागर स्थित ट्रांजिट कैंप में कुल 35 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। उन्हें सुरक्षित घर भेज दिया गया है। जानकारों का कहना है कि मंगलवार दोपहर बाद संख्या में स्वाभाविक रूप से बढ़ोतरी होगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य का योगी कैबिनेट से इस्तीफा, सपा में हुए शामिल

भाजपा के लिए बड़ा झटका, सामाजिक न्याय का इंक़लाब होगा : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल बज चुका है। इन सब के बीच से बड़ी खबर लखनऊ से आ रही है जिसे भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है। खबर के मुताबिक भाजपा के वरिष्ठ नेता और योगी सरकार में मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल को स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपना इस्तीफा भेजा है। सूत्रों की मानें तो स्वामी प्रसाद मौर्य नाराज चल रहे थे। अपने इस्तीफे के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। अखिलेश यादव के साथ उनकी एक तस्वीर भी सामने आ गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय और समता-समानता की लड़ाई लड़ने वाले लोकप्रिय नेता स्वामी प्रसाद मौर्या जी एवं उनके साथ आने वाले अन्य सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का सपा में ससम्मान

हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन !सामाजिक न्याय का इंक़लाब होगा। बाइस में बदलाव होगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने इस्तीफे में कहा कि दलितों, पिछड़े, किसानों, बेरोजगार युवाओं, छोटे और मध्यम व्यापारियों के प्रति लापरवाह रवैये के कारण मैं यूपी कैबिनेट में श्रम, रोजगार और समन्वय मंत्री के पद से इस्तीफा देता हूं। स्वामी प्रसाद मौर्य 2017 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। वह बहुजन समाज पार्टी के बड़े नेता थे। जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ मजबूत है। वह ओबीसी के बड़े चेहरा माने जाते हैं। इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि केंद्रीय स्तर पर भी भाजपा को झटका लग सकता है। स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य फिलहाल भाजपा से सांसद हैं। उन्होंने 2019 में बदायूं से लोकसभा का चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

राजनाथ को कोरोना होने पर चीन का प्रोपेगेंडा, कहा-

भारतीय सैनिकों पर पड़ेगा मनोवैज्ञानिक दबाव

नई दिल्ली। चीन और भारत के बीच 14 वें दौर की सैन्य वार्ता बुधवार को होने वाली है। उससे पहले चीन ने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कोरोना पॉजिटिव होने पर भारतीय सैनिकों के बारे में झूठ प्रचारित किया है।

चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने शिंघुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग के हवाले से लिखा है रक्षा मंत्री के संक्रमित होने से यह संकेत मिलता है कि कोरोना महामारी की नई लहर ने भारत के लोगों के साथ-साथ सैनिकों पर भी गहरा प्रभाव डाला है। जिसका मनोवैज्ञानिक असर सीमा पर तैनात सैनिकों पर पड़ेगा, क्योंकि वायरस फैलने से रोकने के लिए कम सुरक्षाकर्मियों की अदला-बदली होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी थी कि वे कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। वे वायरस के हल्के लक्षण महसूस कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से वह होम क्वारंटाइन हैं।

हमारे सैनिकों का मनोबल इतना कमजोर नहीं : रक्षा विशेषज्ञ और 2011-12 में लेह-लद्दाख के 14 कोर के चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके मेजर जनरल ए के सिवाच (रिटायर्ड) चीन के इस प्रोपेगेंडा को सिरे से खारिज करते हैं। उनका कहना है कि हमारे सैनिकों का मनोबल इतना कमजोर नहीं है कि रक्षा मंत्री के बीमार होने से उस पर असर पड़े।

गोवा में कांग्रेस - टीएमसी गठबंधन को लेकर चल रही बातचीत : शरद पवार

मुंबई। गोवा समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। इसी के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। इसी बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में बताया कि हम गोवा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत कर रहे हैं।

आपको बता दें कि, कांग्रेस ने पहले ही गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) के साथ गठबंधन कर लिया है। हालांकि, एनसीपी के साथ भी बातचीत जारी है। गोवा में 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे और 10 मार्च को पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम घोषित होंगे। शरद पवार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में हम समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

आईपीएल-2022 को मिला नया प्रायोजक

टाटा ने चाइनीज कंपनी वीवो को कहा टा-टा

नई दिल्ली : आईपीएल-2022 को टाटा ग्रुप के रूप में नया प्रायोजक मिल गया। टाटा ग्रुप ने चाइनीज मोबाइल कंपनी वीवो को टा टा कहते हुए आईपीएल-20212 का टाइटल स्पॉन्सरशिप हासिल कर लिया है। इसके बाद टाइटल स्पॉन्सर करने वाली मोबाइल कंपनी वीवो ने लीग के स्पॉन्सरशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। टाटा ग्रुप ने वीवो को टाइटल स्पॉन्सर के रूप में रिप्लेस किया है।

आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने भी इसकी पुष्टि की है। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंगलवार को हुई बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि हां, टाटा ग्रुप आईपीएल टाइटल स्पॉन्सर के रूप में आ रहा है। आने वाला सीजन यानी आईपीएल-2022 को टाटा आईपीएल के नाम से जाना जाएगा। बृजेश पटेल ने कहा कि वीवो ने अधिकारों के हस्तांतरण का अनुरोध किया था, जिसे गवर्निंग कार्उंसिल ने पारित कर दिया। इन अधिकारों का हस्तांतरण से भी बीसीसीआई को 440 करोड़ रुपये की ही आमदनी होगी।

वीवो के पास अब भी दो साल की स्पॉन्सरशिप बची हुई थी। अब हस्तांतरण के बाद टाटा ग्रुप इतने समय (दो साल) तक आईपीएल को स्पॉन्सर करेगा। वीवो ने 2018 में आईपीएल के लिए टाइटल स्पॉन्सरशिप 440 करोड़ प्रति वर्ष में खरीदी थी। भारत-चीन सीमा गतिरोध के कारण आईपीएल-2020 सीजन में यह सौदा स्थगित कर दिया गया था। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप अधिकार 2,190 करोड़ रुपये में जीता था।

भारत ने किया ब्रह्मोस मिसाइल के आधुनिक संस्करण का सफल परीक्षण

नई दिल्ली : भारत ने आधुनिक सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल के नये संस्करण का मंगलवार को भारतीय नौसेना के गुप्त तरीके से निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत से सफल परीक्षण-प्रक्षेपण किया। डीआरडीओ ने कहा कि मिसाइल ने सटीक तरीके से निर्धारित लक्ष्य पर निशाना साधा। डीआरडीओ ने ट्वीट किया, 'ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के समुद्र से समुद्र में प्रहार करने वाले आधुनिक संस्करण का आईएनएस विशाखापत्तनम से परीक्षण किया गया। मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य पर सटीक तरीके से निशाना साधा।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिसाइल के सफल प्रक्षेपण से भारतीय नौसेना की 'मिशन संबंधी तैयारियों' की दृढ़ता स्पष्ट हुई है। उन्होंने ट्वीट कर भारतीय नौसेना और डीआरडीओ को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। भारत-रूस का संयुक्त उपक्रम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का उत्पादन करता है जिन्हें पनडुब्बियों, जलपोतों, विमान या भूतल पर स्थित प्लेटफॉर्मों से प्रक्षेपित किया जा सकता है।

बंगाल : 24 घंटे में 21 हजार से अधिक नए केस, कोलकाता में 6,565 संक्रमित

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। बीते 24 घंटे में राज्य में कोरोना वायरस के कुल 21,098 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 17,95,430 हो गई है। वहीं इस दौरान 19 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की संख्या अब बढ़कर 19,936 हो गई है।

जिस प्रकार से कोरोना के मामलों में इजाफा होना शुरू हुआ है वह चिंता का विषय है। बड़ी बात यह है कि राज्य में कोरोना के सबसे अधिक मामले कोलकाता में ही आए हैं। 24 घंटे में केवल कोलकाता में ही कोरोना के 6,565 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ कोलकाता में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,99,312 हो गई है। राहत की बात

यह रही कि बीते 24 घंटे में कुल 8,037 मरीज ठीक भी हुए। इसके साथ ही कोरोना को मात देने वाले मरीजों की संख्या अब 16,73,258 हो गई है। वहीं सक्रिय मरीजों की संख्या अब बढ़कर 1,02,236 हो गई है। 11 जनवरी को राज्य में कुल 65,210 सैंपल्स की जांच की गई। अब तक कुल 2,19,91,090 सैंपल्स की जांच की जा चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक कोलकाता के अलावा उत्तर 24 परगना जिले में सबसे अधिक केस सामने आए।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति
Ph.: 033-22693759, 9051471666 E-mail : skvss1939@gmail.com

गंगासागर के तीर्थ यात्रियों की बहुविध एवं व्यापक सेवा
चाय, बिस्कुट, नास्ता, भोजन, आवास, प्राथमिक चिकित्सा एवं सभी कैम्पों में निःशुल्क पानी वितरण
स्व.हजारीमल दिवान, स्व.विजय दिवान, स्व.पुष्पा देवी दिवान की स्मृति में उनके परिवार तथा पुत्रों द्वारा एवं श्री संतोष जी रुँगटा द्वारा कम्बल वितरण किया जायेगा व रुपा कं. के कर्णधार श्री प्रह्लाद राय जी अग्रवाल द्वारा थर्मोकोट वितरण किया जायेगा
अध्यक्ष: विवेक गुप्ता
उपाध्यक्ष: कमला प्रसाद काजड़िया, शिव रतन गोयनका
प्रधान सचिव: बिमल दिवान
मार्ग दर्शक: राज कुमार बोथरा
संयोजक: सुरेश खण्डेलवाल
संयोजक-चिकित्सा शिविर: पवन बंसल
मेला उप-समिति: सुभाष साँवलदावाला, महेश मित्तल, रोहित कुमार, उमाशंकर जोशी संजय कुमार जैन, जयप्रकाश गुप्ता, गिरधारीलाल अग्रवाल
जल ही जीवन है

बात पते की ... श्याम जगोता

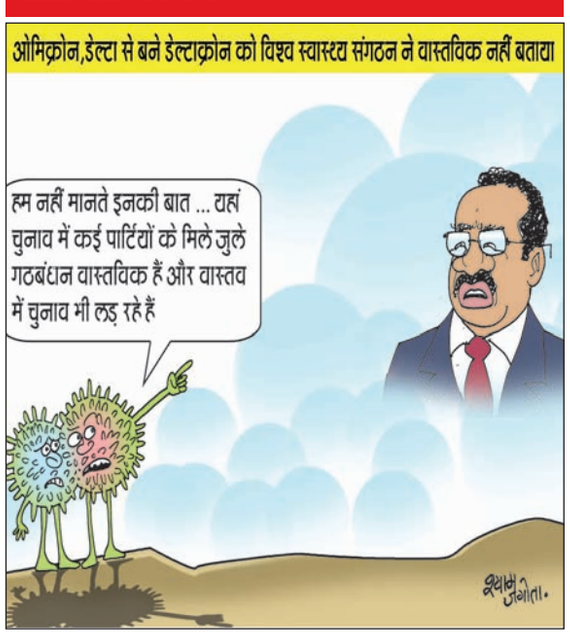

विज्ञान : अमेरिकी डॉक्टरों ने हृदय प्रत्यारोपित कर रचा इतिहास

अब इंसान के शरीर में धड़केगा सूअर का दिल

वाशिंगटन : विज्ञान के क्षेत्र में अमेरिका के डॉक्टरों ने इतिहास रचते हुए इंसान के शरीर में सूअर के दिल का सफल प्रत्यारोपण कर दिया है। यह पहली बार है, जब ऐसे किसी कारनामे को अंजाम दिया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने यह उपलब्धि हासिल की है। इनके द्वारा आनुवंशिक रूप से संशोधित सूअर के दिल का सफल प्रत्यारोपण इंसान के शरीर में किया गया है।

द गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इन चिकित्सकों ने सोमवार को दिए अपने बयान में बताया कि सर्जरी को हुए तीन दिन हो चुके हैं और अब मरीज की हालत ठीक है। यह एक बहुत बड़ा एक्सपेरिमेंट था, हालांकि ऑपरेशन सफल हुआ है, यह अभी बता देना काफी जल्दबाजी होगी। गौरतलब है

यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने हासिल की यह उपलब्धि

कि कई दशकों से यह सवाल वैज्ञानिकों के मन में था कि क्या जरूरत पड़ने पर इंसान की जान बचाने के लिए जानवरों के अंगों को इस्तेमाल में लाया जा सकता है और अब सफल प्रत्यारोपण इसी का एक

जवाब है। चिकित्सकों के मुताबिक इस प्रत्यारोपण ने साबित कर दिया है कि आनुवंशिक रूप से संशोधित जानवर का दिल मानव शरीर में काम कर सकता है। द गार्डियन अखबार ने अपनी रिपोर्ट में 57 वर्षीय मरीज डेविड बेनेट के हवाले से बताया, मेरे मन में बस एक ही विचार था कि या मैं मर जाऊं या ट्रांसप्लांट करवा लूं। मैं जीना चाहता हूं। मुझे पता था कि यह अंधेरे में निशाना लगाने जैसा है, लेकिन इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा नहीं था। डेविड के नए प्रत्यारोपित दिल को एक हार्टलंग मशीन के साथ जोड़ा गया है जिसकी मदद से उसने सोमवार को खुद से सांसें लीं। यूनिवर्सिटी के कार्डियक जेनोट्रांसप्लांटेशन कार्यक्रम की सह-संस्थापक डॉ मुहम्मद मोहिउद्दीन ने कहा कि अगर यह काम कर जाता है, तो आने वाले दिनों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे मरीजों के लिए ऐसे अंगों की आपूर्ति में कमी नहीं होगी।

PAGE 2_Layout 1 1/11/2022 8:45 PM Page 1

सालानपुर में धड़ल्ले से चल रही पेड़ों की कटाई, प्रशासन मौन

सालनपुर, 11 जनवरी। ईसीएल की मोहनपुर एरिया के सामडी ग्राम पंचायत अंतर्गत बिनोद कांटा क्षेत्र के जंगल से दिन के उजाले में पेड़ काटने का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। जहां कई महंगे पेड़ों को काटा जा रहा है और पिकअप वैन की मदद से पेड़ों को विभिन्न लकड़ी की फैक्टरी में ले जाया जा रहा है। मंगलवार की सुबह बिनोद कटा क्षेत्र के ईसीएल के जमीन से कुछ पेड़ माफिया दिन के उजाले में 25 से 30 पेड़ काट रहे थे। उसी दौरान स्थानीय कुछ लोग ने इसकी सूचना सलानपुर थाने के पहाड़ गौड़ा पुलिस कैंप एवं वन विभाग को दी। खबर मिलते ही पुलिस व सामडी

कैंप के अधिकारी सुमंत दास मौके पर पहुंचे। उन्हें आते देख चोर मौके से सब फरार हो गए। जिसके बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने इसकी जानकारी ईसीएल के चीफ प्रबंधक एससी मंडल को दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जंगल की साफ सफाई की जा रही है। लेकिन उनकी ओर से एक भी पेड़ नहीं काटा गया है। एक ठेकेदार को जंगल साफ करने के लिए कहा गया है फिर भी वे जानकारी लेने के बाद ही इसके बारे में बता पाएंगे। इस संबंध में वन विभाग अधिकारी सुमंत दास ने बताया कि खबर मिलते ही उन्होंने मौके पर आकर देखा कि कई पेड़ काटे जा चुके हैं। जंगल के अंदर और भी कई पेड़ काटे गए हैं। कुछ पेड़ों को चोर लेकर भाग निकले हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह ईसीएल की जमीन होनेके बाद भी ईसीएल की ओर से पेड़ काटने का कोई अनुमति नही लिया गया। वर्ष 2018 के एक लिखीं अनुमति हमें दिखाया गया है। जिसे जांच पड़ताल के बाद ही देखा जाएगा। वन विभाग ने फिलहाल कटे हुए काफी सारा पेड़ जप्त कर अपने साथ वन बिभाग कार्यालय ले गए है। लेकिन सवाल यह उठा रहा है कि इतनी पर्यावरण जागरूकता के बावजूद चोरों का गिरोह पेड़ों को काट रहा है और पर्यावरण को नष्ट कर रहा है।

सांसद एसएस अहलूवालिया और उनके पुत्र हुए कोरोना संक्रमित

रानीगंज, 11 जनवरी। दुर्गापुर लोकसभा के सांसद एसएस आहलूवालिया कोरोना संक्रमित होने के बावजूद भी लोगों की मदद में आगे है। सांसद एसएस आहलूवालिया ने फोन पर पत्रकारों से बात की एवं बताया कि उनके पुत्र भी कोरोना संक्रमित हैं। परंतु सांसद को अपने क्षेत्र के लोगों की काफी चिंता है। दिल्ली अपने आवास पर बैठे फोन के द्वारा दिन भर अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई असुविधा ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। किसी को स्वास्थ्य से संबंधित किसी भी तरह की असुविधा हो फौरन उसकी मदद की जाए। उन्होंने दुर्गापुर के भाजपा विधायक लखन घुरइ को भी निर्देश दिया है कि लोगों की मदद में हमेशा आगे रहे। सांसद सरकारी अधिकारियों से भी फोन के द्वारा निरंतर लोगों की मदद के लिए

प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई तकलीफ होती है तो वे हमेशा फोन में अवेलेबल हैं। 24 घंटा लोगों को मदद करने के लिए तैयार हैं दूर से बैठे ही लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे है। उनके संसदीय क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि सांसद दूर रहकर भी काफी सरल तरीके से लोगों की मदद कर रहे हैं ऐसा जनप्रिय सांसद की जनता चहेती है।

चुनावी पोस्टर लगाने को लेकर आमने-सामने आये तृणमूल और भाजपा समर्थक

रानीगंज, 11 जनवरी। आसनसोल नगर निगम के 90 नंबर वार्ड अंतर्गत रानीगंज के कुमार बाजार इलाके में चुनावी पोस्टर लगाए जाने तथा दीवार पर दखल को लेकर भाजपा एवं तृणमूल के समर्थक आमने-सामने आ गए। इस घटना को लेकर इलाके में उत्तेजनापूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रानीगंज थाने की पुलिस ने बीच बचाव कर किसी प्रकार मामले को शांत कराया गया। वहीं इस घटना को लेकर अब दोनों पार्टियों के नेताओं की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। भाजपा प्रत्याशी देवजीत खां ने आरोप लगाया कि कुमार बाजार इलाके में वे अपने समर्थकों के साथ चुनावी पोस्टर लगाने गए थे। उसी समय तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों द्वारा बाधा दी गई। उन्होंने तृणमूल समर्थकों पर बलपूर्वक चुनाव प्रचार में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे नहीं चाहते हैं कि चुनाव से पहले इलाके में किसी तरह की अशांति हो। इसलिए उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपने चुनावी पोस्टर हटा दिए। वहीं दूसरी तरफ तृणमूल प्रत्याशी शक्ति रूईदास के चुनाव एजेंट अयन मुखर्जी का कहना है कि हम लोगों ने पहले से जिस जगह पर दीवार लेखन किया था ठीक इसके ऊपर भाजपा प्रत्याशी द्वारा पोस्टर लगाए जा रहे थे। हम लोगों ने इसी बात का विरोध किया था। भाजपा जानबूझकर इलाके में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।

तृणमूल युवा कांग्रेस के बैनर तले रक्तदान शिविर

पुरुलिया, 11 जनवरी। रघुनाथपुर शहर तृणमूल युवा कांग्रेस के बैनर तले रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 25 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए उपस्थित तृणमूल युवा कांग्रेस के वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान कर लोगों का जीवन बचाना बहुत बड़ी बात है। इसलिए रक्तदान में बढ़-चढ़कर लोगों को भाग लेना चाहिए। इस मौके पर पुरुलिया तृणमूल युवा अध्यक्ष मेघदूत महतो सहित रघुनाथपुर अंचल के तृणमूल नेता उपस्थित थे।

युवक की हत्या से इलाके में फैली दहशत

पुरुलिया, 11 जनवरी। एक युवक को घर से बुलाकर बदमाशों ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। उक्त घटना पुरुलिया जिला अंतर्गत काशीपुर थाना क्षेत्र के भारटीन गांव की है। पुलिस के अनुसार मृत युवक की पहचान 25 वर्षीय वृहस्पति महतो के रूप में हुई है। मृतक के परिवार और पुलिस सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि रविवार शाम कुछ युवक वृहस्पति महतो को उसके घर से बुला कर ले गए थे जिसके बाद वह घर नहीं लौटा। वहीं दूसरी ओर मोबाइल पर उससे संपर्क भी नहीं हो सका था। सोमवार सुबह गांव से कुछ ही दूरी पर उसे खून से लथपथ अवस्था में मृत पड़ा देखा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के आधार पर काशीपुर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम हेतु पुरुलिया सदर अस्पताल भेज दिया गया। स्थानीय व पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृत युवक कई वर्षों से विभिन्न राज्यों में प्रवासी मजदूर के तौर पर काम कर रहा था। वह एक साल पहले कोरोना फैलने के बाद अपने घर लौटा था। वह तब से घर पर ही रह रहा था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार मृतक वृहस्पति महतो के पिता अमल महतो तृणमूल कार्यकर्ता हैं। पुलिस ने घटना की सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ईसीएल त्रिपक्षीय सुरक्षा मंडल की 60वीं बैठक संपन्न

साकतोड़िया, 11 जनवरी। ईसीएल मुख्यालय में कंपनी मुख्यालय स्तर की 60वीं त्रिपक्षीय सुरक्षा मंडल की बैठक मंगलवार को आयोजित की गयी। करोना महामारी को ध्यान में रखते हुए यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गयी। बैठक में प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक प्रेम सागर मिश्रा, निदेशक (तकनीकी) योजना एवं परियोजना जयप्रकाश गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) संचालन बीवीरा रेड्डी एवं निदेशक (वित्त एवं कार्मिक) गौतम चन्द्र दे की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही, इस बैठक में खान सुरक्षा महानिदेशक की ओर से उज्ज्वल तह, डीडीजी एवं अन्य अधिकारीगण वर्चुअली उपस्थित

रहे। ईसीएल सेफ्टी बोर्ड के समस्त श्रम संगठन प्रतिनिधि, समस्त क्षेत्रीय महाप्रबंधक, क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यगण भी अपने-अपने क्षेत्रों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में ईसीएल में सुरक्षा उपायों के क्रियान्वयन एवं सुधार से संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने ईसीएल की सुरक्षा नीति तथा उपायों की सराहना की। इस अवसर पर खान सुरक्षा उपायों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के साथ 'शून्य मानव क्षति' के लक्ष्य प्राप्ति के लिए सुरक्षा शपथ भी ली गयी। बैठक की अध्यक्षता विनोद सिंह, (सीटू), सदस्य, ईसीएल सुरक्षा मंडल ने की।

सुप्रभात

12 जनवरी, 2022 बुधवार, वर्ष मन्मथ (1941) पौष शु .प. दशमी सूर्योदय 06:19 ,सूर्यास्त 17.09

आज का राशिफल

मेष बातचीत में संयत रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है।

वृषभ धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। धैर्यशीलता में कमी आएगी।

सिंह नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। पारिवारिक सुख में कमी आएगी।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। पिता के स्वास्थ्य का अभी ध्यान रखें।

वृश्चिक परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी।

धनु अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जीवन कष्टमय हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मकर अपने कार्यों पर ध्यान रखें। कार्यों में कठिनाई आ सकती है। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है।

कुंभ परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

कस्तूरबा गांधी अस्पताल चिरेका में बूस्टर डोज़ का टीकाकरण आरंभ

चित्तरंजन, 11 जनवरी। कोविड-19 की तीसरी लहर के आगमन के साथ, पिछले दो हफ्तों में कोविड मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। विगत दो कोविड लहरों के दौरान अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए, कस्तूरबा गांधी अस्पताल, चिरेका वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। अस्पताल पीएसए ऑक्सीजन प्लांट के माध्यम से काफी संख्या में वेंटिलेटर और निर्बाध निजी सेवा के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन आपूर्ति से लैस है। अस्पताल के सभी बेड सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई से

जुड़े हैं। कोविड संक्रमण के संकट को और बढ़ने से रोकने के लिए एक निवारक नीति के रूप में, अस्पताल ने 10 जनवरी 2022 से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नागरिकों जैसे को बूस्टर खुराक का टीका देना प्रारंभ हो गया है। अब तक 115 लाभार्थियों को बूस्टर डोज दिया जा चुका है। 15 वर्ष से 17 वर्ष की आयु वर्ग के किशोरों का टीकाकरण दिनांक 03 जनवरी 2022 से आरंभ किया जा चुका है। इस आयु वर्ग के 690 लाभार्थियों का टीकाकरण किया जा चुका है। कस्तूरबा गांधी अस्पताल ने अब तक चिरेका की योग्य आबादी का 95 प्रतिशत से अधिक को टीके की 45500 खुराक दी गयी है। रेल नगरी की एकमात्र सबसे अच्छी तरह से सुसज्जित अस्पताल के रूप में प्रचलित कस्तूरबा गांधी अस्पताल अपने समर्पित पैरामेडिकल, सहयोगी कर्मचारी और डॉक्टरों के साथ महामारी की शुरुआत से ही कोविड के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम पंक्ति में खड़े है।

वर्ग पहेली 4526

1	2	3	4	■	5	6	7
8				9	■	10	
11		■	12			■	
	■	■	■		■	■	
13	14	15	16		17	18	■
				■	20		
	■	21		22	■		■
23			■	24			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1513 को यशस्वी मुगल सम्राट अकबर ने मध्यप्रदेश के इस पडौसी राज्य को फतह किया था (4)
5. यह लेबनान देश की राजधानी है (3)
8. चुनौती देना, आहत करना, बदना (5)
10. तौल की एक प्राचीन इकाई, हृदय, चित्त, जी (2)
11. निकलना, अतीत होना, बिदा होना (2)
12. अभिमुख, सामने उपस्थित (3)
13. अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से पहला शतक लगाने वाला भारतीय क्रिकेटर (1933 में इंग्लेंड के विरूद्ध 118)(7)
19. प्रबल अभिलाषित होना, तीव्र उत्कंठित होना (4)
20. दक्षिण पवन, मलयानिल (3)
21. रचना कर्म, अभिनव सृष्टि (3)
23. परिक्रमणशील (3)
24. सदृश, समान, मिस्ल, उदाहरण (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. यह भारत के दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे (27 मई 1984 से 9 जून 1964 व 11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966) (8)
2. दग्ध होना, उष्ण लगना (3)
3. पूर्णमासी (2)
4. दया, करूणा, रहम (3)
6. कमरा को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
7. वेतन, पगार, उजरत (4)
9. मशहूर, प्रसिद्ध, ख्याति प्राप्त (4)
14. मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
15. इस मुगल सम्राट ने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था (4)
16. मन्नत मानना, फुसलाना (3)
17. उपाधि, इस्म (3)
18. पृथ्वी पर विचरण करने वाली प्राणी (4)
22. अरण्य, जंगल (2)

वर्ग पहेली 4525 का हल

रा	ही	मा	सू	म	र	जा	■
ह	रा	र	त	■	वा	त	ज
त	■	को	■	मौ	न	■	क
इं	सा	नी	■	■	गी	द	ड़
दौ	र	■	आ	ला	प	■	ना
री	ना	रा	य	■	त्र	य	■
■	थ	का	■	ज्ञां	■	की	ना
■	■	■	आ	च	म	न	■

सुडोकू पहेली क्रमांक- 4526

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 4525

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

छोटा परदा

बुधवार, दिनांक 12 जनवरी -2022

StarPlus 11:00 अनुपमा, 11:30 इमली, 12:00 ये है मोहब्बतें, 1:00 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 2:00 ये रिश्ता क्या कहलाता है, 3:00 साथ निभाना साथिया, 6:00 आपकी नजरों ने समझा, 7:00 शौर्य और अनोखी की कहानी, 7:30 शादी मुबारक, 8:00 गुम है किसी के प्यार में, 8:30 इमली, 9:00 साथ निभाना साथिया, 10:00 अनुपमा

➤➤➤

SONY SAB 11:00 सुपर डांसर-चेप्टर-4, 12:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 2:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 3:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 3:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 4:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 5:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 5:30 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 6:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल, 7:00 मेरे सांई, 7:30 पुण्यश्लोक, 8:00 विघ्नहरता गणेश, 9:00 क्यों उत्थे दिल छोड़ आये, 9:30 इश्क पर जोर नहीं, 10:00 क्राईम पेट्रोल सतर्क, 11:00 बेस्ट ऑफ क्राईम पेट्रोल

➤➤➤

ZEETV 11:00 कुंडली भाग्य, 12:00 मेरी ताकत, 12:30 कुमकुम भाग्य, 1:00 कुंडली भाग्य, 2:00 पुनर्विवाह, 3:00 पवित्र रिश्ता, 4:00 पवित्र रिश्ता, 5:00 पवित्र रिश्ता, 6:00 हैवान, 8:00 जोधा अकबर, 7:00 अपना टाईम

भी आएगा, 7:30 हमारी वाली गुडन्यूज, 8:30 तुझसे है राबता, 9:00 कुमकुम भाग्य, 9:30 कुंडली भाग्य, 11:00 कुमकुम भाग्य

➤➤➤

colors 11:00 श्री कृष्ण, 11:30

उडारां, 12:00 ससुराल सिमर का, 2:00 थपकी प्यार की, 5:30 नागिन, 6:50 ससुराल सिमर का, 7:30 छोटी सरदारनी, 8:00 शक्ति, 8:30 बेरिस्टर बाबू, 9:00 नमक इश्क का, 9:30 बावरा दिली, 10:00 पिंजरा खूबसूरती का, 11:00 ससुराल सिमर का,

➤➤➤

SONY SAB 11:00 मैडम सर, 12:00

तेरा यार हूं मैं, 12:00 हीरो, 1:00 वागले की दुनिया, 1:30 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 2:30 मैडम सर, 3:00 हीरो, 3:30 तेरा यार हूं मैं, 4:30 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 5:00 मैडम सर, 5:30 जीजाजी छत पर है, 6:00 वागले की दुनिया, 6:30 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 7:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 8:00 हीरो, 8:30 तारक मेहता का उल्टा चश्मा, 9:00 वागले की दुनिया, 9:30 तेरा यार हूं मैं, 10:00 मैडम सर, 10:30 जीजाजी छत पर है, 11:00 तारक मेहता का उल्टा चश्मा

➤➤➤

NATIONAL 10:00 यहां के हम सिकंदर, 11:30 क्योंकि जीना इसी का नाम है, 12:00 मेरा देश बदलें रे, 12:30 तुमरी एक परंपरा, 1:00

मंगलसूत्र... 2:00 सुकन्या हमारी बेटियां, 2:30 हरी मिर्ची-लाल मिर्ची, 3:00 बिन बेटियां आंगन सूना, 4:00 नई सोच, 5:30 यहां के हम सिकंदर, 6:00 चंद्रमुखी, 7:00 महाराण रंजीत सिंह, 8:00 द्रोपदी, 9:00 श्री गणेश, 9:30 श्री गणेश, 10:00 ना हौंसला हारेंगे हम, 10:30 पुरवाई-एक नई आशा, फुले, 11:00 बिन बिटिया आंगन सूना

➤➤➤

ZEE CINEMA 8:00 हिंदी फीचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म, 2:00 हिंदी फीचर फिल्म, 5:00 हिंदी फीचर फिल्म, 8:00 हिंदी फीचर फिल्म

➤➤➤

MOVIES OK 8:00 हिंदी फीचर फिल्म, 11:00 हिंदी फीचर फिल्म, 2:00 हिंदी फीचर फिल्म, 5:00 हिंदी फीचर फिल्म, 8:00 हिंदी फीचर फिल्म

B-3_Layout 1 1/11/2022 8:41 PM Page 1

पश्चिम बर्दमान में कोरोना की रफ्तार में तेजी, लोग अब भी लापरवाह

आसनसोल, 11 जनवरी। कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने हर महकमे को परेशान कर दिया है। पिछले पांच दिनों में संक्रमण के जो आंकड़े आए हैं वे चौंकाने वाले हैं। एक दो नहीं, बल्कि सैकड़ों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जनवरी में संक्रमण का आंकड़ा चार अंकों में आ गया। इसके बाद से अब तक यथावत स्थिति बनी हुई है। इस संक्रमण को लेकर प्रशासनिक महकमा पूरी तरह परेशान है। प्रशासनिक महकमे में कई विभाग के कर्मी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। रेलवे, अस्पताल, बैंक, शिक्षण संस्थान सभी जगह दर्जनों की संख्या में लोग कोरोना की चपेट में आ गए हैं। सबसे ताज्जुब की बात यह है कि भारी संख्या में मरीज बढ़ रहे हैं, लेकिन लोग आज भी लापरवाह होकर घूम रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही कह दिया है कि अगर सतर्क नहीं हुए तो हालात बेकाबू हो जाएंगे। हालात बेकाबू के मार्ग पर पहुंच चुके हैं। हर अस्पताल में मरीज बढ़ रहे हैं। सबसे दुखद बात यह है कि कई चिकित्सक व अस्पताल कर्मी भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इस कारण अस्पताल में इलाज के लिए डाक्टरों की भी कमी हो गई है। हालांकि आसनसोल के जिला अस्पताल, रेलवे अस्पताल, सेल के अस्पताल में मरीजों के इलाज की पूरी व्यवस्था रखी गई है, लेकिन चिकित्सक ही नहीं रहेंगे तो इलाज कौन करेगा? बाजार आज भी पहले की तरह यथावत है। यहां आने वाले लोग मास्क लगाने को भारी भरकम काम मान रहे हैं। खामियाजा यह है कि बेतहासा संक्रमण हो रहा है। आसनसोल के मुंशी बाजार, सब्जी बाजार, बस्तिन बाजार की हालत बेहद खराब है। भयानक भीड़ जम रही है और भीड़ में शामिल लोग न तो शारीरिक दूरी को मेंटेन कर रहे हैं न ही मास्क लगा रहे हैं।

ये लक्षण हैं तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लें : बुखार, बदन दर्द, त्वचा का रंग बदल रहा हो, लूज मोसन, सांस फूलने की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें।

जिले में कोरोना के 1008 नए मामले, 2 लोगों की मौत

एक तरफ जहां राज्य में हर रोज कोरोनावायरस के रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बर्दवान जिले में भी कोरोना की रफ्तार पर नियंत्रण लगता नहीं दिख रहा है। पिछले 24 घंटे में फिर जिले में लगभग एक हजार कोरोना के नए मामले सामने आए हैं और 2 मरीजों की मौत हुई है। 10 जनवरी को राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की तरफ से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार पश्चिम बर्दवान जिले में कोरोना के 1008 नए मामले सामने आए हैं और कोरोना से 2 लोगों की मौत हुई है। इस तरह से कोरोना से मौत का आंकड़ा बढ़कर 370 हो गया है, जबकि जिले में 907 कोरोना के एक्टिव केस हैं। 399 कोरोना संक्रमित मरीजों को स्वास्थ्य होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है।

दिलीप घोष के सामने तृणमूल प्रार्थी ने भाजपा प्रार्थी पर लगाये गंभीर आरोप

कहा-भाजपा प्रत्याशी ने वार्ड में विकास नहीं किया, सिर्फ गरीबों को लूटा

आसनसोल, 11 जनवरी। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सांसद दिलीप घोष मंगलवार की सुबह आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 41 के भाजपा प्रत्याशी भृगु ठाकुर के समर्थन में चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां से लौटने के क्रम में तृणमूल उम्मीदवार रणबीर सिंह उर्फ जीतू सिंह ने दिलीप घोष एवं अन्य भाजपा नेताओं के सामने पूर्व पार्षद सह भाजपा उम्मीदवार भृगु ठाकुर पर गंभीर आरोप लगाये। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप दे, भाजपा नेता कृष्णेन्दू मुखर्जी, शंकर चौधरी, कैलास साव, ओम नारायण प्रसाद व अन्य उपस्थित थे। आसनसोल में दिलीप घोष के सामने अचानक टीएमसी के प्रत्याशी रणबीर सिंह उर्फ जीतू सिंह पहुंच गए और उन्होंने दिलीप घोष के सामने अपना सारा गुस्सा जाहिर किया।

उन्होंने भाजपा प्रत्याशी भृगु ठाकुर पर इस वार्ड में विकास न करने और गरीबों का पैसा हड़पने का संगीन आरोप लगाया। जीतू सिंह ने कहा कि गरीब बनना गुनाह नहीं है, लेकिन गरीबों को धोखा देना सबसे बड़ा गुनाह है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम में दिलीप घोष ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और वह खामोशी से वहां से चले गए। वहीं इस संदर्भ में भृगु ठाकुर ने जीतू सिंह के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि उनके पास न तो फ्लैट है न जमीन न बैंक बैलेंस। उन्होंने कहा कि अगर वह घोटाला करके पैसा जुटाते तो अपनी बीवी के इलाज के लिए दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ती। भृगु ठाकुर ने चुनौती देते हुए कहा कि कोई भी उनके खानदान के बारे में पता कर सकता है कि उनके पास कितना पैसा या कितनी संपत्ति है। तृणमूल नेता जीतू सिंह ने इलाके की बदहाल सड़क व नालियों की अवस्था दिखाई और घंटों दिलीप घोष व उनके नेताओं व समर्थकों का विरोध करते हुए दिखे, वहीं स्थिति बिगड़ता देख दिलीप घोष वहाँ से चले गये और यह कहा कि राज्य में संत्रास की राजनीति चल रही है। यहाँ भाजपा को प्रचार-प्रसार करने नहीं दिया जा रहा है। उनको हर जगह बाधा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी उनको देखकर इस तरह की हरकत की गई जो काफी दुखद है। उन्होंने कहा कि यह सब एक सोची समझी साजिश के तहत करवाई की जा रही है।

रेलपार में आयोजित चुनावी सभा में तृणमूल ने जीत का किया दावा

आसनसोल, 11 जनवरी। भाजपा जनविरोधी कार्य कर लोगों को परेशान कर रही है। वहीं तृणमूल लाभजनक योजनाओं को लागू कर लोगों को राहत पहुंचा रही है। गरीबों के बारे में सोचने वाली एकमात्र पार्टी तृणमूल ही है। उक्त बातें रेलपार के ओके रोड में आयोजित चुनावी सभा के दौरान आईएनटीटीयूसी के जिलाध्यक्ष अभिजीत घटक ने कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। केटी रोड में चुनाव प्रचार को देखते हुए कांग्रेस के पक्ष में लिखी गई दीवार पर छाप पंजा है, लेकिन लिखा गया है कि वोट कमल छाप में दे। तृणमूल 106 वार्डों में जीत दर्ज कर बोर्ड गठन करने जा रही है। भाजपा का यहां खाता खुलना भी मुश्किल होगा। इस मौके पर कांग्रेस व माकपा छोड़ कर 50 की संख्या में लोगों ने तृणमूल में योगदान किया। अभिजीत घटक ने सभी को पार्टी का झंडा पकड़ाकर तृणमूल में शामिल करवाया। मौके पर तृणमूल प्रत्याशी सह पूर्व पार्षद हाजी नसीम अंसारी, तृणमूल नार्थ ब्लॉक दो के युवा अध्यक्ष शहनवाज खान उर्फ रॉकी के अलावा व्यापक संख्या में तृणमूल सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीबीएफटीआई द्वारा इवलिन लॉज में वैक्सीनेशन कैंप 15 को, रजिस्ट्रेशन शुरू

आसनसोल, 11 जनवरी। पश्चिम बर्द्धमान फेडरेशन आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज (पीबीएफटीआई) की पहल पर यह टीकाकरण राज्य सरकार द्वारा की जायेगी। पीबीएफटीआई के महासचिव जगदीश बागड़ी ने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार की पहल से यह सम्भव हुआ। उक्त टीका राज्य सरकार से मुफ़्त में उपलब्ध करायी जाएगी। यहां पहली एवं दूसरी डोज के साथ ही बूस्टर भी मिलेगा। इसके लिए लोग पंजीकरण कराकर यहां आकर वैक्सीन ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी से शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर सुबह 11 बजे से लेकर संध्या पांच बजे तक चलेगी।

हीरापुर थाने का अतिरिक्त प्रभार मिला बराबानी थाना प्रभारी अरिंदम मंडल को

आसांसोल, 11 जनवरी। आसांसोल पुलिस आयुक्त के कार्यालय से 10 जनवरी 2022 को जारी निर्देश के अनुसार हीरापुर थाना प्रभारी प्रसेनजित रैबके बीमार होने के कारण उनके जगह पर अगले आदेश तक हीरापुर थाना का अतिरिक्त प्रभार बराबानी थाना प्रभारी अरिंदम मंडल को सौपा गया है। इधर बर्नपुर में यह खबर जोर पकड़ रहा है कि कहीं न कहीं पुलिस विभाग कार्यवाई करने पर मजबूर है। गौरतलब है कि हीरापुर थाना प्रभारी के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य महिला कमीशसन को शिकायत की गई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने राज्य के मुख्य सचिव पुलिस महानिदेशक एवं

आसनसोल पुलिस आयुक्त से बर्नपुर के करीम डंगाल निवासी नीतू देवी की शिकायत पर हीरापुर थाना प्रभारी के संदर्भ में रिपोर्ट मांगा है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि 15 अक्टूबर 2021 की रात आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 76 निवासी कुमारेश मिश्रा उनका पुत्र एवं उक्त वार्ड के पूर्व पार्षद कविता घोष के पुत्र ने नीतू सिंह के आवास में घुसकर उसके पति धर्मेंदर पर जानलेवा हमला किया एवं बीच बचाव करने गयी पत्नी को भी पिटाई किया। नीतू सिंह द्वारा की गई शिकायत में लिखा गया है, जब उक्त रात हीरापुर थाना में शिकायत करने गयी तो वहाँ के प्रभारी प्रसेनजित राय ने उनकी शिकायत नहीं ली एवं उल्टे आरोपितों का पक्ष लेते हुए उन्हें धमकाते हुए थाने से भगा दिया तथा कहा कि उनके खिलाफ मामला कर दिया जाएगा। पुलिस ने 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2021 तक रात में नीतू सिंह का घर में छापेमारी कर उन्हें ही परेशान किया तथा छापेमारी के समय रात में महिला पुलिस भी नहीं थी। नीतू सिंह ने विभिन्न जगहों पर भेजी अपनी शिकायत में हीरापुर थाना प्रभारी के भूमिका पर उंगली उठाई है। सूत्रों के मुताबिक फिहलाल नीतू सिंह का परिवार पुलिसिया छापेमारी से तंग आकर बर्नपुर से पलायन कर कहीं अज्ञात स्थान पर चला गया है।

आसनसोल नगर निगम में तृणमूल का बोर्ड बनना तय : दासू

आसनसोल, 11 जनवरी। आसनसोल नगरनिगम टीएमसी संयोजक सह प्रदेश तृणमूल सचिव वी. शिवदासन के नेतृत्व में मंगलवार को वार्ड 87 और 38 के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निगम चुनाव के चुनाव में तृणमूल प्रार्थियों के लिए जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। वी. शिवदासन उर्फ़ दासू ने कहा कि भाजपा मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है। विधानसभा चुनाव में बंगाल की जनता ने उन्हें जवाब दे दिया है। अब निकाय चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ होगा। आसनसोल में तृणमूल का बोर्ड बनना तय है। कार्यकर्ता जनता के पास जायें और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दं। इस दौरान युवा तृणमूल नेता प्रमोद सिंह, मनोज हाजरा, मिन्टू सिंह आदि मौजूद थे।

तृणमूल के झंडे को उखाड़ नाली में फेंकने का सीपीएम पर लगा आरोप

आसनसोल, 11 जनवरी। आसनसोल नगर निगम की होने वाली चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार के लिए निगम के वार्ड संख्या 31 में लगे तृणमूल के झंडो को उखाड़कर नाली में फेंकने का आरोप तृणमूल उमीदवार आशा प्रशाद ने सीपीएम उम्मीदवार पर लगाया है, जिसको लेकर उन्होंने आसनसोल नार्थ

थाना मे शिकायत भी दर्ज करा दिया है। वहीं शिकायत के आधार पर नौर्थ थाना पुलिस ने वार्ड संख्या 31 में जाकर मौके का जायजा लिया और दोषियों पर कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया है। वहीं सीपीएम उम्मीदवार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि तृणमूल उम्मीदवार द्वारा लगाया गया आरोप बेबुनियाद है। वार्ड में झंडे उखाड़ कर नाली में फेंकना यह उनकी साजिश है। तृणमूल के लोग ही इस तरह का कार्य कर सीपीएम पर झूठा आरोप लगाकर बदनाम करने का क़ाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या 31 से सीपीएम जीत रही है, इसलिए तृणमूल इस तरह का कार्य कर रही है।

सीवी एरिया 12 की महिला समिति ने गरीबों में बांटे कम्बल

बराकर, 11 जनवरी। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एरिया बारह के मुख्यालय के समीप स्थित बैगुनिया गेस्ट हाउस में सीभी एरिया बारह की महिला समिति द्वारा गरीबों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस दौरान बीसीसीएल की महिला संगठन दीक्षा महिला समिति एव दृष्टि महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की अध्यक्ष पूर्णिमा दत्ता ने बताया कि संस्था का एक मात्र उद्देश्य गरीब परिवारों को हर संभव सहायता करना है।

वहीं सचिव समिता चक्रवर्ती ने कहा महिला समिति एरिया बारह के आसपास के गरीब परिवार के बच्चो को पढ़ाई ,लड़कियों को सिलाई के साथ पढ़ने की सामग्रियों को उनके तक पहुचाना है। उन्होंने बताया कि किसी गरीब परिवार की लड़कियों को शादी के लिए अनुदान सहित कई प्रकार से उनके हाथों को मजबूत करना हमारा मुख्य लक्ष्य है। इस दौरान संस्था की सदस्य बाणाश्री बनर्जी, मोमिता कुंडू, सुष्मिता गांगुली सहित सभी महिला सदस्य शामिल थी।

बर्नपुर आईएसपी कर्मी घंटों फंसे रहे रेलगेट में, वर्षों से अधूरा पड़ा है फ्लाईओवर

बर्नपुर, 11 जनवरी। बर्नपुर स्थित स्टील आथिरिटी आफ इंडिया के कर्मियों को टनेल गेट के पास रेलवे क्रासिंग के कारण अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। आसनसोल-आद्रा रेलखंड की रेलवे लाइन होने के कारण इस लाइन से हर समय ट्रेनों का परिचालन होता है। इसके कारण अक्सर कर्मियों को जाम में फंसना पड़ता है। वहीं इस रेलवे क्रासिंग में कर्मियों को फंसना

न पड़े, इसके लिए करीब दस साल पहले ही फ्लाई ओवर बनाने का कार्य शुरू किया था। जो आज तक पूरा नहीं हुआ है। सोमवार की शाम रेलगेट करीब 40 मिनट तक बंद था, जिसके कारण सैकड़ों कर्मियों को जाम में फंसा रहना पड़ा। इससे उनमें भारी आक्रोश देखा गया। शाम पांच बजे से लेकर 5.40 बजे तक कर्मी रेलवे गेट के किनारे ही खड़े रहे। कर्मियों का कहना था कि वर्षों पहले फ्लाईओवर बनाने का कार्य शुरू हुआ था, लेकिन आज तक पूरा नहीं हुआ, जिसके कारण यह समस्या आज भी कायम है। उनलोगों ने मांग किया कि जल्द प्रबंधन इस समस्या का समाधान करे।

200 जरूरतमंदों के बीच कंबल और चूड़ा का वितरण

आसनसोल, 11 जनवरी। रेलपार इलाके के बरूआ बाजार स्थित कुशवाहा कल्याण समिति कार्यालय परिसर में समिति के वरिष्ठ सदस्य सुदामा प्रसाद कुशवाहा की याद में 200 जरूरतमंदों के बीच कंबल और चूड़ा का वितरण किया गया। वितरण के दौरान कोरोना नियमों को ध्यान में रखते हुए मास्क नहीं पहने हुए लोगों को मास्क दिया गया। सभी को सेनिटाइजर दिया गया। इस संबंध में कुशवाहा कल्याण समिति के संस्थापक सह संरक्षक गृहराज सिंह ने कहा कि समिति हमेशा जरूरतमंदों की सेवा के लिए तत्पर रहती है। समिति के अध्यक्ष राजीव सिंह ने कहा कि समिति की ओर से आगे भी सेवामूलक कार्य जारी रहेगा। इस अवसर पर समिति के दिवंगत सदस्यों की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर समिति के सचिव नरेश कुशवाहा, अयोध्या प्रसाद कुशवाहा, किशोर कुशवाहा, विजय सिंह, मोहन महतो के अलावा व्यापक संख्या में कुशवाहा कल्याण समिति के सदस्य उपस्थित थे।

भाजपा पर कोरोना गाइडलाइंसन के उल्लंघन का आरोप

दिलीप घोष के चुनाव प्रचार को पुलिस ने रोका, पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की

कुल्टी, 11 जनवरी। आगामी 22 जनवरी को होने वाले आसनसोल नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष एक बार फिर निर्वाचन आयोग के तरफ से जारी कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने को लेकर विवादों में फंस गए। दरअसल बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार के साथ नगर निगम के 66 नंबर वार्ड के बीजेपी प्रत्याशी राजेश सिन्हा के समर्थन में कुल्टी के रामनगर इलाके में प्रचार करने पहुंचे थे। प्रचार में निर्धारित संख्या से ज्यादा भीड़ होने के कारण पुलिस ने बीजेपी नेताओं को रोकने का प्रयास किया।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं बीजेपी नेताओं के बीच पहले तो तीखी नोकझोंक हुई, फिर उनके बीच हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। थोड़ी देर के लिए यहां अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस द्वारा बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष को रोकने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन वह पुलिस की कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं थे। कोरोनावायरस महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए निर्वाचन आयोग के तरफ से राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों को सिर्फ 5 लोगों के साथ प्रचार करने की अनुमति दी गई है। पुलिस के अनुसार बीजेपी के चुनाव प्रचार में तय संख्या से कहीं ज्यादा समर्थकों की भीड़ जुटी थी। पुलिस द्वारा चुनाव प्रचार में बाधा दिए जाने का आरोप लगाते हुए बीजेपी समर्थकों ने जमकर हंगामा मचाया। इतना ही नहीं बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष बीच सड़क पर बैठ गए और चेतावनी दी कि अगर पुलिस ने बलपूर्वक चुनाव प्रचार को रोका तो नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा।

B-4_p-6.qxd 1/11/2022 8:37 PM Page 1

संपादकीय

महामारी में चुनाव

चुनाव आयोग की ओर से पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान किए जाने के बाद सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही यह भी तय हो गया है कि पंजाब, यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के ये विधानसभा चुनाव कोरोना और इसके नए वेरिएंट ओमीक्रोन के खौफ के साये में ही होने हैं। शनिवार को तारीखों की घोषणा के बाद रविवार लगातार दूसरा दिन रहा, जब देश में 24 घंटे के भीतर कोरोना के डेढ़ लाख से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान नए संक्रमणों की संख्या आठ लाख प्रति दिन तक जाने के आसार बताए जा रहे हैं, जो दूसरी लहर के चरम बिंदु से करीब दोगुना है। तीसरी लहर का पीक अगले महीने यानी फरवरी के मध्य में आने की बात कही जा रही है, जब इन चुनावों के अलग-अलग दौर चल रहे होंगे। स्वाभाविक ही चुनाव आयोग ने अभी से सख्त कोरोना गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। सभी राजनीतिक दलों ने इन पाबंदियों का स्वागत करते हुए इन्हें स्वीकार करने की बात कही है। लेकिन इन हालात में सभी दलों को लेवल-प्लेइंग फील्ड मुहैया कराना भी चुनाव आयोग का ही दायित्व है।

जब भी ऐसी असामान्य स्थितियों में चुनाव होते हैं और पारंपरिक तौर-तरीकों में बदलाव किए जाते हैं तो अमूमन आर्थिक तौर पर मजबूत और बड़ी पार्टियां फायदे में होती हैं। उनके लिए प्रचार के नए तौर-तरीके निकालना और अपनाना अपेक्षाकृत आसान होता है।समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों ने चुनाव आयोग से अपील भी की है कि डिजिटल माध्यमों में सभी दलों की उपयुक्त पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। देखना होगा कि चुनाव आयोग इस दिशा में क्या कदम उठाता है। इसी संदर्भ में यूपी में सात चरणों का लंबा-चौड़ा चुनाव कार्यक्रम भी ध्यान खींचता है। 2017 में भी वहां सात चरणों में चुनाव हुए थे, लेकिन तब कोरोना का कोई प्रकोप नहीं था। मणिपुर की तरह चुनाव पूर्व हिंसा का भी कोई मामला फिलहाल यूपी में नहीं दिख रहा। ऐसे में सात चरणों तक चुनाव प्रक्रिया को खींच कर कोरोना विस्फोट का जोखिम बनाए रहने के बजाय तीन-चार चरणों में संपन्न करा देना शायद बेहतर होता।

बहरहाल, चुनाव कार्यक्रम आ चुके हैं और सभी पार्टियां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करने की कोशिशों में लग चुकी हैं। पांच में से चार राज्यों में बीजेपी सत्ता में है। जाहिर है, सबसे ज्यादा दांव पर भी उसी का लगा है। यूं हर राज्य की चुनावी लड़ाई अहम और अपने आप में दिलचस्प है, लेकिन 80 लोकसभा सीटों वाले यूपी पर सबका विशेष रूप से ध्यान है। वहां मंदिर-मस्जिद, विकास और महिला अस्मिता के मुद्दों की रस्साकशी राष्ट्रीय राजनीति के अगले दौर को भी निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है।

एर्दोआन के राष्ट्रवाद से उपजे संकट

आर्थिक मोर्चे पर नाकामियों के बाद भी एर्दोआन देश के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में खुद को प्रचारित करने के लिए राजनीतिक और धार्मिक हथकंडे अपना रहे हैं। धार्मिक शिक्षा के प्रसार से समाज विभाजित हो रहा है। एर्दोआन इस्लाम के सहारे चुनाव जीतने में तो लगातार सफल हो रहे हैं, लेकिन तुर्की की अर्थव्यवस्था गर्त में जा रही है। यूरोप का आधुनिक देश तुर्की अपने शीर्ष नेता रेसेप तैयब एर्दोआन की इस्लामिक राष्ट्रवाद की नीतियों से आर्थिक जंजाल में फंस गया है। यूरोप का एकमात्र इस्लामिक देश होने के बाद भी लंबे समय तक धर्मनिरपेक्षता और उदारवाद के जरिए सामाजिक और आर्थिक रूप से अग्रणी यह देश पिछले दो दशकों से सत्ता में बने रहने की एर्दोआन की सनक का शिकार बन गया है। एर्दोआन दशकों पुरानी धार्मिक नीतियों को तुर्की के समाज पर थोप रहे हैं, ताकि वे बहुसंख्यक मुसलमानों का भरोसा हासिल करके सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रख सकें। लेकिन इसका खमियाजा तुर्की के आम लोगों को भोगना पड़ रहा है। इसका प्रभाव गिरती अर्थव्यवस्था से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक पड़ रहा है।

(ब्रह्मदीप अलूने)

आर्थिक मोर्चे पर नाकामियों के बाद भी एर्दोआन देश के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में खुद को प्रचारित करने के लिए राजनीतिक और धार्मिक हथकंडे अपना रहे हैं। धार्मिक शिक्षा के प्रसार से समाज विभाजित हो रहा है। एर्दोआन इस्लाम के सहारे चुनाव जीतने में तो लगातार सफल हो रहे हैं, लेकिन तुर्की की अर्थव्यवस्था गर्त में जा रही है।

यूरोप का आधुनिक देश तुर्की अपने शीर्ष नेता रेसेप तैयब एर्दोआन की इस्लामिक राष्ट्रवाद की नीतियों से आर्थिक जंजाल में फंस गया है। यूरोप का एकमात्र इस्लामिक देश होने के बाद भी लंबे समय तक धर्मनिरपेक्षता और उदारवाद के जरिए सामाजिक और आर्थिक रूप से अग्रणी यह देश पिछले दो दशकों से सत्ता में बने रहने की एर्दोआन की सनक का शिकार बन गया है। एर्दोआन दशकों पुरानी धार्मिक नीतियों को तुर्की के समाज पर थोप रहे हैं, ताकि वे बहुसंख्यक मुसलमानों का भरोसा हासिल करके सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रख सकें। लेकिन इसका खमियाजा तुर्की के आम लोगों को भोगना पड़ रहा है। इसका प्रभाव गिरती अर्थव्यवस्था से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक पड़ रहा है।

यूरोप के इस खूबसूरत देश को एर्दोआन की दो दशक की राजनीति ने बदल कर रख दिया है। इस्लामिक बहुल यह देश विविधता के चलते दुनिया में अपना विशिष्ट स्थान रखता था। यहां रूसी, आर्मेनियाई, अल्बेनियाई, कुर्द, यहूदी, ईसाई सहित कई नस्ल और जातीय समूह समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के साथ बढ़िया जीवन जीते थे। इसी कारण इस देश को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की पहचान मिली हुई थी। लेकिन लगभग दो दशक पहले तुर्की में एर्दोआन के सत्ता में आने के बाद सब कुछ बदल गया। एर्दोआन ने देश की सत्ता में बने रहने के लिए इस्लाम को राष्ट्रवाद से जोड़ कर इसे लोकलुभावन बनाने की कोशिश शुरू की और यहीं से इस देश में वैचारिक कट्टरता को बढ़ावा मिलने लगा।

सत्ता में आने के बाद एर्दोआन ने इस्लाम को सर्वोपरि मानने और दिखाने की राजनीतिक और सामाजिक कोशिशें शुरू कर दी थीं। यह कवायद इस विविधता वाले देश में अभूतपूर्व थी और साथ ही समाज को असहज करने वाली भी। पंद्रहवीं सदी के इस्लामिक आटोमन साम्राज्य को आधार बना कर एर्दोआन देश में विभाजनकारी भावनाएं उभार रहे हैं। उनकी इन कुटिल कोशिशों के कारण तुर्की की बहुलतावादी पहचान को बनाए रखना मुश्किल हो गया है।

आधुनिक तुर्की के निर्माता माने जाने वाले कमाल पाशा ने तुर्की को एक आधुनिक यूरोपीय देश के रूप में स्थापित करने के लिए मजहबी अदालतें खत्म कर दी थीं, धार्मिक कट्टरपंथी ताकतों को रोकने के लिए इस्लामिक खलीफाओं को खारिज कर दिया था, अरबी भाषा पर रोमन या अंग्रेजी को तरजीह दी और स्विस नागरिक संहिता लागू कर महिलाओं को मतदान का अधिकार दे दिया था। उनके उदार बदलावों से लंबे समय तक संचालित तुर्की ने एक मजबूत राष्ट्र के रूप में जो पहचान बनाई थी। पर अब वही तुर्की गंभीर संकट में है।

इसका प्रमुख कारण देश की सियासी राजनीति में एर्दोआन की धार्मिक नीतियां बन गई हैं, जो सत्ता हासिल करने का साधन भी बना दी गई हैं। एर्दोआन अपनी रैलियों में तुर्की के राष्ट्रवादी विचारक जिया गोकाई के दिए विचार को बार बार दोहराते हैं कि मस्जिदें हमारी छावनी हैं, गुंबदें हमारे रक्षा कवच, मीनारें हमारी तलवार और इस्लाम के अनुयायी हमारे सैनिक हैं।

एर्दोआन ने अपने चुनावी एजंडे के अनुसार तुर्की के ऐतिहासिक संग्रहालय हागिया सोफिया को मस्जिद में बदल दिया। पहले ये चर्च था। ग्रीस के ईसाइयों और दुनिया भर के मुसलमानों के लिए इसका खास महत्व था। एर्दोआन ने यहां पहली बार नमाज अता करते हुए इसका राष्ट्रीय टीवी पर सीधा प्रसारण भी करवाया। तुर्की के उदार समाज ने उनके इस कृत्य की कड़ी आलोचना की थी। हागिया सोफिया में नमाज पढ़ने या किसी अन्य धार्मिक आयोजन पर अब तक पाबंदी थी। अब एर्दोआन ने इसे तुर्की की धार्मिक अस्मिता से जोड़ कर इसे राष्ट्रवाद और असल पहचान बताया है।

एर्दोआन के इन कट्टर राष्ट्रवादी कदमों का प्रभाव अब देश की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। आधुनिक शिक्षा से ज्यादा धार्मिक शिक्षा को तरजीह देने की एर्दोआन की नीतियों के चलते देश में मदरसों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आधुनिक तुर्की में इस्लाम के उदार रूप को धार्मिक कट्टरता में बदलने की राजनीतिक कोशिशों का असर समाज पर पड़ रहा है। दो दशक पहले सड़क पर बुर्का या धार्मिक पहचान रखने वाले वस्त्र पहने इक्का-दुक्का लोग ही नजर आते थे। पर अब वे बहुतायत में देखे जा सकते हैं। विश्वविद्यालयों में बुर्का प्रतिबंधित रहा है, लेकिन एर्दोआन की पत्नी सार्वजनिक स्थानों पर इसे पहन कर जाती हैं।

एर्दोआन की इन नीतियों से तुर्की आने वाले पर्यटकों की संख्या में खासी कमी आई है। तुर्की के बदलते स्वरूप को लेकर कई मित्र राष्ट्रों से उसके रिश्ते खराब हुए हैं। वैश्विक संस्थाओं में भी तुर्की की छवि खराब हुई है। पर्यटन से अरबों डालर कमाने वाले इस देश का पर्यटन उद्योग खस्ताहाल हो चला है। तुर्की में मुद्रा इतनी अस्थिर हो चुकी है कि उसकी कीमत हर रोज बदल रही है। महंगाई चरम पर है।

तुर्की की राष्ट्रीय मुद्रा लीरा में डालर के मुकाबले गिरावट अपने निम्नतम स्तर पर है। इस व्यापक गिरावट का एक सबसे प्रमुख कारण तुर्की के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कम ब्याज दर रखने की एर्दोआन की अपरंपरागत आर्थिक नीतियां हैं। इन आर्थिक नीतियों का परिणाम है कि पेट्रोल पंपों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों के बाहर सस्ते दामों में रोटी लेने के लिए कतारें लगती हैं। बेरोजगारी चरम पर है। सालाना महंगाई दर 2002 के बाद से सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। बढ़ती महंगाई के दौरान भी ब्याज दरों में कटौती को जारी रखा गया। इसे एर्दोआन ने इस्लाम के मूल्यों और आदर्शों से जोड़ कर राष्ट्रवादी भावनाओं को उभार देने की कोशिश की।

एर्दोआन मीडिया को सरकारी तंत्र की तरह उपयोग करते हैं। कई पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया है। डिजिटल और मनोरंजक माध्यम को भी एर्दोआन ने अपने राजनीतिक प्रचार का साधन बना लिया है। तुर्की के ऐतिहासिक आटोमन साम्राज्य के गठन पर बनी टीवी धारावाहिक 'दिरलिस एर्तरुल' को तुर्की के सरकारी टीवी पर प्रसारित करके धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिशें की गई। इसी प्रकार तुर्की में सुल्तान सुलेमान के जीवन पर 'द मैग्निफिसेंट सेंचुरी' नाम से एक टीवी नाटक बना था।

सोलहवीं सदी में सुल्तान सुलेमान के नेतृत्व में आटोमन साम्राज्य शिखर पर था और इस नाटक में इसे ही दिखाया गया है। यह नाटक तुर्की के विविध समाज को बांटने वाला साबित हुआ। इन धारावाहिकों में तुर्की और इस्लाम के लिए धर्म युद्ध की तरह प्रचारित किया गया। ऐसे धारावाहिकों से देश में कट्टरता बढ़ रही है और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठन मजबूत हुए हैं।

एर्दोआन पाकिस्तान जैसे देशों से रिश्ते मजबूत करके कट्टरवादी ताकतों को बढ़ावा दे रहे हैं। इस कारण तुर्की पर आतंकी हमलों के खतरे बढ़े हैं। एर्दोआन तुर्की के प्राचीन गौरव को लौटाने की बात कह कर खुद की नीतियों को निर्णायक और बदलावकारी बताने का दावा कर रहे हैं। इस्लामिक दुनिया का नेतृत्व करने की उनकी धुन के चलते कई यूरोपियन देश उनसे खफा हो गए हैं। इसका असर निवेश पर पड़ा है। रोजगार खत्म हो रहे हैं। उत्पादन प्रभावित हुआ है।

अनावश्यक अवकाश

(राजेंद्र कुमार शर्मा, रेवाड़ी)

छुट्टी या अवकाश का नाम सुन कर कौन खुश नहीं होता, सभी को खुशी मिलती है। सप्ताह के छह दिन काम करने के बाद रविवार का आना, पूरे सप्ताह की काम की थकान से मुक्ति दिलवा देता है। इस प्रकार की छुट्टी के प्रावधान के पीछे एक मनोवैज्ञानिक तर्क भी है कि अगर किसी भी संस्था या विभाग को अपने कर्मचारियों को अधिक उत्पादक बनाना है तो कर्मचारी को या फिर कोई भी व्यवसाय करने वाले को, एक सप्ताह में एक दिन का अवकाश देना, उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। वह संस्था के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। एक दिन का अवकाश उसको ऊर्जावान बनाता है।

अगर हम अपने देश की बात करें, तो स्थिति अन्य देशों से कुछ अलग है। यहां रविवार के अलावा सार्वजनिक अवकाशों की एक लंबी सूची है, जो एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में परिवर्तित होती रहती है। वह प्रदेश की संस्कृति और त्योहारों के अनुसार तय की जाती है। अगर हम एक छोटा-सा अनुमान लगाएं तो एक वर्ष में लगभग बावन तो रविवार ही आ जाते हैं। कुछ विभागों में पांच दिवसीय सप्ताह होता है, तो बावन ही शनिवार हो गए। अब आते हैं त्योहारों, महापुरुषों, महान संतों, महान नेताओं के जन्मदिनों पर आने वाली छुट्टियों की संख्या पर, तो ये भी हर प्रदेश में 25-30 से कम नहीं बनती। फिर उसके बाद अगर आप सरकारी कर्मचारी हैं तो आपके पास अर्जित अवकाश, कैजुअल अवकाश, हाफ पे अवकाश (चिकित्सीय अवकाश) आदि भी हैं। अगर हम इन सब अवकाशों को जोड़ें, तो पाएंगे कि साल के आधे दिन भी काम नहीं करते, और फिर बात करते हैं कि हम विकसित देशों की श्रेणी में क्यों नहीं आते? कुछ राजनीतिक दल तो प्रादेशिक अवकाशों के नाम पर ही अपनी राजनीति चमका रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए अपने चुनावी घोषणा-पत्रों में कुछ नई छुट्टियों का प्रावधान करने का भी वादा कर देते हैं। इस तरह बढ़ते अवकाशों की संख्या देश की प्रगति में बाधा बनती है। सबसे दयनीय स्थिति तो शिक्षा विभाग की है, जहां शिक्षकों को उपरोक्त वर्णित सामान्य छुट्टियों के अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन अवकाश, शरद कालीन अवकाश, दिवाली अवकाश भी विद्यार्थियों के साथ मिलता है। और फिर अगर शिक्षक अन्य अवकाश भी ले ले, तो विचारणीय हो जाता है कि शिक्षण कार्य कितना होगा?

आकस्मिक अवकाश आकस्मिक आवश्यकताओं के लिए होता है। कर्मचारी अचानक आवश्यकता पड़ने पर इसका प्रयोग कर सकते हैं, जिनकी वर्ष में संख्या आठ या दस रहती है। अगर आपको पूरे वर्ष इनकी आवश्यकता नहीं पड़ी, तो ये अवकाश वर्ष का अंत होने के साथ ही समाप्त हो जाते हैं। ऐसे में देखा गया है कि कर्मचारी दिसंबर माह में आवश्यकता न होने पर भी अपना आकस्मिक अवकाश ले लेते हैं, क्योंकि उनको लगता है कि यह हमारा अधिकार है और हम इन छुट्टियों का लाभ क्यों न उठाएं? कई बार तो एक साथ कई कर्मचारी आकस्मिक अवकाश लेकर घर बैठ जाते हैं, जिससे पूरी संस्था और विभाग का काम अवरुद्ध हो जाता है। आम आदमी विभागों के चक्कर लगाता रहता है, पर कर्मचारियों के अवकाश पर रहने के कारण कोई काम नहीं हो पाता।

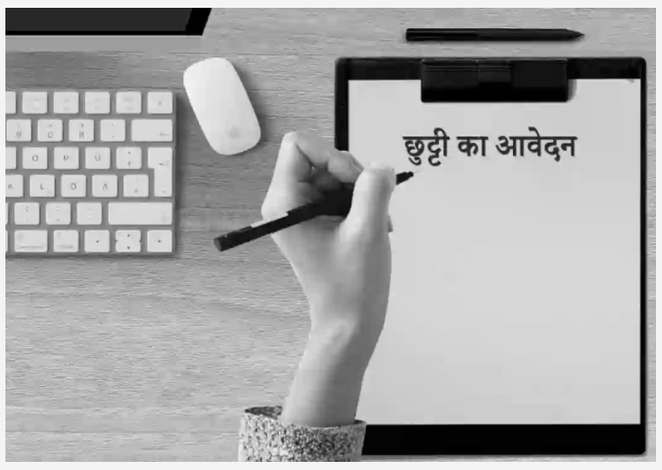

सरकारी महकमों में अवकाशों को एक अधिकार के रूप में स्थापित कर दिया गया है। हमारे धार्मिक त्योहारों पर अवकाश न्यायसंगत है, क्योंकि ये त्योहार हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखते हैं, उनको मनाना हमारी संस्कृति का एक अटूट हिस्सा है। राजनीतिक फायदे के लिए घोषित किए जाने वाले अवकाश न्यायसंगत नहीं कहे जा सकते। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है सर्वेपल्ली राधाकृष्णन का यह कहना कि मैं नहीं चाहता कि मेरे जन्मदिन पर कोई अवकाश रखा जाए, बल्कि मेरे जन्मदिन को शिक्षकों को समर्पित किया जाए।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ये उद्धरण हमें दिखाते हैं कि महापुरुषों का वास्तविक सम्मान उनकी शिक्षाओं पर चलना है, उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना है, न कि उस दिन छुट्टी करके घर बैठना है। महापुरुषों का आदर-सम्मान अच्छी बात है, पर उनके नाम पर अवकाश के स्थान पर अधिक काम किया जाए, जो देश को उन्नति की ओर अग्रसर कर सके, वही सही मायने में उनका सम्मान और आदर होगा, क्योंकि वे महान हुए अपने कार्यों से, जो वे अपने देश और देश की जनता के लिए करके गए। हमें भी इस सोच से ऊपर उठ कर सोचना होगा कि क्या छुट्टी या अवकाश हमारा अधिकार है या एक आकस्मिक स्थितियों के लिए दी गई एक सुविधा मात्र।

काशी इन दिनों कई वजहों से चर्चा में है। वैसे भारतीय ज्ञान और इतिहास के तमाम ऐसे संदर्भ हैं, जो काशी को हर दौर में चर्चा में बहाल रखते हैं। इतिहास, परंपरा और स्मृति के स्पर्श के साथ ज्ञान-बोध से जुड़े काशी के वृत्तांत खासे दिलचस्प रहे हैं। मिथकों के अनुसार भगवान शंकर की नगरी है यह। हजारों सालों तक धर्म-दर्शन का केंद्र रही है काशी। जिज्ञासुओं और ज्ञान-पिपासुओं को अपनी ओर आकर्षित करने वाली पवित्र धर्मस्थली। शंकराचार्य तक खुद को काशी-यात्रा के प्रलोभन से नहीं रोक पाए थे।

संत, शास्त्र और काशी

(रोहित कुमार)

काशी इन दिनों कई वजहों से चर्चा में है। वैसे भारतीय ज्ञान और इतिहास के तमाम ऐसे संदर्भ हैं, जो काशी को हर दौर में चर्चा में बहाल रखते हैं। इतिहास, परंपरा और स्मृति के स्पर्श के साथ ज्ञान-बोध से जुड़े काशी के वृत्तांत खासे दिलचस्प रहे हैं। मिथकों के अनुसार भगवान शंकर की नगरी है यह। हजारों सालों तक धर्म-दर्शन का केंद्र रही है काशी। जिज्ञासुओं और ज्ञान-पिपासुओं को अपनी ओर आकर्षित करने वाली पवित्र धर्मस्थली। शंकराचार्य तक खुद को काशी-यात्रा के प्रलोभन से नहीं रोक पाए थे।

पौराणिकता से निकलकर आधुनिकता तक भारत में संत परंपरा के जितने सिरे अकेले काशी से जुड़ते हैं, उतने शायद ही किसी अन्य स्थान से जुड़ते हों। संत विनोबा को लोग वर्धा में उनके पवनार के आश्रम से जानते हैं। पर उनके जीवन का एक दिलचस्प प्रसंग काशी से जुड़ा है। यह तब की बात है जब वे ब्रह्म की खोज, सत्य की खोज, संन्यास लेने की साध में यहां-वहां भटक रहे थे। घर छोड़ने के बाद उनकी हिमालय की यात्रा जारी थी। बीच में काशी का पड़ाव आया।

काशी के गंगा घाट पर जहां नए विचार पनपे तो वितंडा भी अनगिनत रचे जाते रहे, उसी गंगा तट पर एक बार विनोबा भटक रहे थे। अपने लिए मंजिल की तलाश में, गुरु की तलाश में जो उन्हें आगे का रास्ता दिखा सके।

एक दिन भटकते हुए वे काशी में एक स्थान पर पहुंचे जहां कुछ सत्य-साधक शास्त्रार्थ कर रहे थे। विषय था अद्वैत और द्वैत में कौन सही है।

सवाल काफी पुराना था। लगभग बारह सौ वर्ष पहले भी इस पर निर्णायक बहस हो चुकी थी। शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच। उस ऐतिहासिक बहस में द्वैतवादी मंडन मिश्र और उनकी पत्नी को शंकराचार्य ने पराजित किया था। वही विषय फिर उन सत्य-साधकों के बीच आ फंसा था। या यों कहें कि वक्त काटने के लिए दोनों पक्ष अपने-अपने तर्कों के साथ वितंडा रच रहे थे।

इसी दौरान बहस को समापन की ओर ले जाते हुए अचानक घोषणा कर दी गई कि अद्वैतवादी की जीत हुई है। विनोबा इस घोषणा पर थोड़ा चौंके। उन्होंने हल्की हंसी के साथ एतराज जताया- 'नहीं, अद्वैतवादी ही हारा है।' विनोबा का यह कहना था कि सब उनकी ओर हैरत के साथ देखने लगे। एक सामान्य सा दिखने वाला युवक दिग्गज विद्वानों के निर्णय को चुनौती दे रहा था। सवाल पूछा गया, 'यह तुम कैसे कह सकते हो, जबकि द्वैतवादी सबके सामने अपनी पराजय स्वीकार कर चुका है।'

विनोबा ने कहा, 'नहीं, यह अद्वैतवादी की ही हार है।' विनोबा अपने निर्णय पर कायम थे। प्रश्न फिर पूछा गया, 'कैसे?' विनोबा ने कहा, 'जब कोई अद्वैतवादी द्वैतवादी से शास्त्रार्थ करना स्वीकार कर ले, तो समझो कि उसने पहले ही हार मान ली है।' तर्क की उनकी यही क्षमता आगे अध्यात्म की नई व्याख्या और दृष्टि के रूप में सामने आई।

भारतीय संत परंपरा में विनोबा को आखिरी बड़ी कड़ी के तौर पर देखा-माना जाता है। उनके आध्यात्मिक ज्ञान का लोहा तो खैर सभी मानते हैं। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था और उनके जीवन पर दो लोगों के प्रभाव सबसे ज्यादा पड़े। मां से मिले संस्कारों के कारण उनका झुकाव स्वाभाविक तौर पर अध्यात्म की तरफ बढ़ता गया। मां ने उन्हें संत ज्ञानेश्वर और तुकाराम के प्रति बचपन में ही काफी आस्थावान बना दिया था।

तरुणाई की ओर बढ़ते हुए विनोबा न तो संत ज्ञानेश्वर को भूल पाए, न तुकाराम को। ये दोनों उनके आदर्श थे। संत तुकाराम के अभंग तो वे बड़े ही मनोयोग से गाते। उनका अपने आराध्य से लड़ना-झगड़ना, नाराज होकर गाली देना, रूठना-मनाना उन्हें बहुत भाता था। संतों के प्रति उनकी आस्था संत रामदास से लेकर शंकराचार्य तक सघन विस्तार लिए थी। दर्शन उन्हें आगे के दिनों में खींचता चला गया।

दर्शन और संन्यास के सम्मोहन का आलम उनके लिए ऐसा था कि जब से उन्होंने होश संभाला तभी से हिमालय उनके सपनों में आता था। वे अपनी कल्पना में स्वयं को सत्य की खोज में गहन कंदराओं में तप-साधना करते हुए पाते। हिमालय की निर्जन, बर्फ से ढकी दीर्घ-गहन कंदराएं उन्हें परम सत्य की खोज में लीन हो जाने के लिए प्रेरित करती थीं।

विनोबा के बारे में प्रसिद्ध है कि स्कूल की पढ़ाई के बाद जब यह प्रश्न सामने आया कि आगे क्या पढ़ा जाए तो वैज्ञानिक प्रवृत्ति के उनके पिता और अध्यात्म में डूबी रहने वाली मां का वैचारिक द्वंद्व सामने आ गया। पिता का आग्रह था कि बेटा फ्रेंच पढ़े तो मां का कहना था कि ब्राह्मण का बेटा संस्कृत न पढ़े, यह कैसे संभव है! कमाल बेटे का कि उसने मां-पिता दोनों का मन रखा। इंटर में उन्होंने फ्रेंच को चुना और संस्कृत का अध्ययन निजी स्तर पर जारी रखा।

दिलचस्प है कि उन दिनों फ्रेंच ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हो रही क्रांति की भाषा थी। सारा परिवर्तनकामी साहित्य फ्रेंच में ही रचा जा रहा था। फ्रांसीसी साहित्य ने युवा विनोबा का परिचय जहां पश्चिमी देशों में हो रही वैचारिक क्रांति से कराया, वहीं संस्कृत के ज्ञान ने उन्हें वेदों-उपनिषदों में गहराई से पैठने का अवसर दिया। ज्ञान का स्तर बढ़ा, तो उसकी ललक भी बढ़ती गई पर मन से न तो हिमालय का आकर्षण गया, न संन्यास की साध और न वैराग्यबोध ही मिटा।

B-5_Layout 1 1/11/2022 8:38 PM Page 1

पुरुलिया में कोरोना संक्रमितों की संख्या पहुंची 1197

पुरुलिया, 11 जनवरी। पुरुलिया में कोरोना वायरस के मामले में बीते दिनों की अपेक्षा बढ़ोतरी में कमी आई है। मालूम हो कि पुरुलिया में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 1197 पर पहुंची है। यहां एक दिन में 148 कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ी है, जबकि रविवार को पूरे जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या 275 थी। इसी प्रकार शनिवार को 211 कोरोना संक्रमितों की संख्या थी। पुरुलिया जिला अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ी है, यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या 365 पर पहुंच गई है। वहीं दूसरे स्थान पर रघुनाथपुर ब्लॉक 2 नंबर में पॉजिटिव मामलों की संख्या 86 हो गई है। इसी प्रकार तीसरे स्थान पर नितुरिया थाना क्षेत्र है। यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या 83 है। आद्रा में 82, रघुनाथपुर प्रखंड 2 में 63, काशीपुर ब्लॉक में 49, पाड़ा में 50, पुरुलिया प्रखंड 1 में 52 तथा पुरुलिया प्रखंड 2 में 26, जयपुर में 33, सांतुड़ी में 42 और रघुनाथपुर म्युनिसिपल्टी क्षेत्र में 35 कोरोना संक्रमितों की संख्या है। पूरे जिले में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1197 बतायी गई है। जिला अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में कोरोना संक्रमितों की संख्या पर नियंत्रण हेतु प्रशासन, पुलिस तथा पुरुलिया नगर पालिका की ओर से जोरों पर अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान बाजार, चौक-चौराहे तथा सड़कों के किनारे के दुकानदारों में मास्क वितरण किया गया। इधर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रत्येक थाना की ओर से सुबह, दोपहर और शाम को कोरोना बचाव हेतु कोरोना नियमों का पालन करने के लिए लोगों से अपील की जा रही है। यह जागरूकता अभियान घर-घर जाकर भी किया जा रहा है। इस दौरान जिला अन्तर्गत विभिन्न थानों में 45 हजार से अधिक मास्क वितरण किया गया है। वहीं ब्लॉक स्वास्थ्य कर्मियों व ब्लॉक अधिकारियों की ओर से भी जिला अंतर्गत 20 ब्लॉकों में अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। प्रशासन और जिला पुलिस के जागरूकता अभियान का लक्ष्य है कि बढ़ते कोरोना पर जल्द नियंत्रण किया जा सके।

हाथी के हमले से व्यक्ति की मौत

पुरुलिया, 11 जनवरी। पुरुलिया जिला अंतर्गत बलरामपुर थाना क्षेत्र के गेरुआ अंचल के बेड़सा ग्राम के रहने वाले 52 वर्षीय एक व्यक्ति की हाथी के हमले से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी वहां पहुंचकर घायल व्यक्ति को बांसगढ़ अस्पताल इलाज हेतु ले गये, जहां डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। वन विभाग के अनुसार मृतक का नाम अनिल बेसरा है। घटना रविवार देर शाम 7 से 8 बजे की है। घटना के संदर्भ में बताया जाता है मृतक घर के पास ही धान ढक रहा था, तभी एक दंताल हाथी ने पीछे से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

जिला में शुरू हुआ कोरोना बूस्टर डोज का टीकाकरण

पुरुलिया, 11 जनवरी। राज्य के पुरुलिया जिला में भी कोविड को लेकर बूस्टर डोज देना शुरू हो गया है। यह डोज पुरुलिया देवेन महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल सदर अस्पताल परिसर सहित जिला प्रखंडों में भी दिया जा रहा है। डॉक्टरों और पैरामेडिकल के अलावा वृद्ध लोगों को भी टीका लगाया जा रहा है। वैक्सीन को लेकर किसी को कोई दिक्कत नहीं हुई है। बूस्टर डोज मिलने से मरीजों को राहत मिलेगी। वहीं बूस्टर डोज देने का संदेश मिलने के बाद पुरुलिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थित वैक्सीनेशन सेंटर में सुबह से ही सैकड़ों 60 साल के बुजुर्ग सहित कर्मी जुट गए। सूत्रों का कहना है कि 11 घंटे तक लंबी लाइन में खड़े रहने के बाद बूस्टर डोज का टीका शुरू नहीं होने से हंगामा शुरू हो गया। इस दौरान एक वृद्धा फूट-फूटकर रोने लगी। उसने स्वास्थ्य विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया। बूस्टर डोज का टीका कहां, कब और कैसे दिया जाएगा, इसकी जानकारी लोगों को नहीं देने का भी आरोप लगाया गया है।

पुरुलिया नगर पालिका ने ई-रिक्शा को नियंत्रित करने के लिए शुरू की विशेष व्यवस्था

पुरुलिया, 11 जनवरी। पुरुलिया नगर पालिका के लिए ई-रिक्शा या टोटो को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था शुरू की गई है। इन टोटो पर दो रंग के स्टिकर्स चिपकाये गये हैं। एक दिन शहर के रास्ते में एक रंग का स्टिकर लगा ई-रिक्शा या टोटो दौड़ेगा। वहीं इस नियम के कारण पहले दिन टोटो चालकों ने धरना प्रदर्शन किया। पुरुलिया नगर पालिका के समक्ष प्रदर्शन किया गया और कहा गया कि लगाये गए नियम के अनुसार जीवन यापन करना बहुत मुश्किल है। इस तरह उनकी आय कोविड के दौरान काफी कम हो गई है। वे अगर टोटो बाहर नहीं कर सकते हैं तो उस दिन कमाई नहीं कर पाएंगे। कई लोग किस्त नहीं भर पाएंगे। उन्होंने इस उपाय को तत्काल हटाने की गुहार लगाई है। हालांकि अभी तक पुरुलिया नगर पालिका की ओर से कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष नवेंदु महाली ने कहा कि कोविड की स्थिति में भीड़ पर नियंत्रण बहुत जरूरी है। इसलिए ऐसा फैसला लिया गया है।

महिला ने फंदे से झूलकर की आत्महत्या

पुरुलिया, 11 जनवरी। नितुरिया के भस्को ग्राम में 26 वर्षीया सोनमरी बेसरा नामक एक महिला ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। नितुरिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पुरुलिया देवेन महतो गवर्मेंट अस्पताल भेज दिया। पुलिस तथा पारिवारिक सूत्रों के अनुसार वह रघुनाथपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। बीते सप्ताह भस्को गांव में वह अपने मौसी के घर घूमने आई थी। बीती रात उसको मौसी के घरवालों ने उसे फांसी लगी अवस्था में उसे देखा जिसे फंदे से उतारकर तुरंत हरमाडीह अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस विषय में नितुरिया पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

सुरक्षा सामग्री की मांग को लेकर सफाई कर्मियों में रोष

कंटेनमेंट जोन एवं संक्रमित आवासों के समीप नाले की कर रहे सफाई

दुर्गापुर, 11 जनवरी। दुर्गापुर नगर निगम के अधीन कार्यरत डीएमसी कैजुअल सफाई कर्मी यूनियन के सदस्यों ने निगम पर सुरक्षा सामग्री आवंटित नहीं करने का आरोप लगाया है। एवं निगम प्रबंधन को सुरक्षा सामग्री जैसे मास्क, सैनिटाइजर, पीपीई कीट, हैंड गलब्स, जूता जल्द आवंटन करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि दुर्गापुर नगर निगम के 43 वार्ड में करीब 1752 अस्थाई सफाई कर्मी नियुक्त हैं, जो हर दिन विभिन्न इलाके के कूड़ा दान, नालों की गंदगी को वाहन में लाद कर उसे शहर से बाहर फेंकने का कार्य करते हैं। आरोप है कि निगम इन सफाई कर्मियों को किसी भी तरह का सुरक्षा सामग्री आवंटित नहीं कर रही है। यूनियन के सचिव सुभाष साहा, सफाई कर्मी उज्जवल रूईदास ने बताया कि शहर में करोना के बढ़ते प्रभाव के कारण सफाई कर्मियों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। सफाई कर्मी जान जोखिम में डालकर शहर के गंदगी को साफ करने में जुटे हैं। दुर्गापूजा के समय एक बार सफाई कर्मियों को सुरक्षा सामग्री वितरण की गई थी। लेकिन उसके बाद सुरक्षा सामग्री वितरण नहीं की जा रही है।

जिससे सफाई कर्मियों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। इस बारे में नगर निगम के एमआईसी (स्वास्थ्य विभाग) राखी तिवारी ने कहा कि सफाई कर्मियों को नियमित सुरक्षा सामग्री प्रदान की जाती है। सफाई कर्मियों को विभागीय अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए।

घर में मातृभाषा और कार्यालय में राजभाषा का करें यथासंभव प्रयोग – एस के झा

दुर्गापुर 10 जनवरी । दामोदर घाटी निगम मेजिया ताप विद्युत केंद्र में विश्व हिंदी दिवस का अनुपालन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री सुधीर कुमार झा मुख्य अभियंता व परियोजना प्रधान ने किया। उन्होंने कहा कि हिंदी वैज्ञानिक भाषा है जिसमें भारत के सभी भाषओं के शब्द समाहित हैं, अतः हिंदी का प्रयोग करने में हमें कोई कठिनाई नहीं होती। घर में मातृभाषा और कार्यालय में राजभाषा का यथासंभव प्रयोग करें। इस अवसर पर सत्य प्रकाश दुबे राजभाषा अधिकारी पूर्व रेलवे सियालदह मंडल अतिथि संकाय के रूप में उपस्थित रहे।

इस मौके पर हिंदी अधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने पीपीटी के माध्यम से वैश्विक हिंदी तथा कंप्यूटर पर उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं पर विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी। मुख्य अभियंता श्री चैतन्य प्रकाश ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि हिंदी सरल और बोधगम्य भाषा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने दैनंदिन कार्य में हिंदी का उपयोग अधिकाधिक करें ताकि दूसरे को भी प्रेरित किया जा सके। इस अवसर पर उप मुख्य अभियंता श्री शिव बचन पाल,रूद्र सेन, संतोष टी, अनिल कुमार, असीम परिदा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का प्रसारण टीम्स प्लेटफार्म पर किया गया। जिसमें लगभग 60 कार्मिकों ने हिस्सा लिया।

दुर्गापुर सरकारी अस्पताल में चार चिकित्सक एवं 15 नर्स संक्रमित

- चिकित्सा सेवा बहाल करने का अस्पताल प्रबंधन पर बढ़ रहा दबाव
- मरीजों को चिकित्सा न मिलने का विरोधी दल ने लगाया आरोप

दुर्गापुर, 11 जनवरी। दुर्गापुर बिधाननगर महकमा अस्पताल में कोविड के बढ़ते प्रभाव से कई चिकित्सक, नर्स एवं कई अस्पताल कर्मी संक्रमित हो जाने की पुष्टि होने से चिकित्सा सेवा चरमरा गई है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से कर्मियों की संख्या कम रहने के बावजूद भी चिकित्सा सेवा बहाल रखने की पुरजोर कोशिश जारी है। सोमवार की शाम की रिपोर्ट के मुताबिक दुर्गापुर बिधाननगर अस्पताल में 4 चिकित्सक 15 नर्स एवं 20 से अधिक अस्पताल कर्मी अस्वस्थ हो गए हैं। जो होमकोरेंइनटाईन के अधीन इलाजरत हैं। इसकी जानकारी अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर धीमान मंडल ने दी। श्री मंडल ने बताया कि अस्पताल में वर्तमान समय में सब मिलाकर करीब 350 कर्मी है जिसमें 43 चिकित्सक, 150 नर्सिंग स्टाफ एवं बाकी सामान्य अस्पताल कर्मचारी हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या एवं संक्रमण बढ़ने से अस्पताल के चिकित्सक एवं कर्मी संक्रमित हुए हैं। जिन का इलाज चल रहा है। अस्पताल में चिकित्सकों की कम होने के बावजूद भी मरीजों की चिकित्सा सेवा लगातार जारी है। अस्पताल में सभी चिकित्सक मल्टीपरपज होकर कार्य में जुटे हैं। अस्पताल में चिकित्सक एवं नर्सिंग सभी मिल कर सभी तरह का कार्य कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अस्पताल में चिकित्सा सुविधा में कमी को देख भाजपा एवं तृणमूल के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगना शुरू हो गया है। भाजपा के जिला सचिव अभिजीत दत्ता ने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पताल महकमा का प्रमुख अस्पताल है। अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था सही ना होने के कारण अस्पताल के कई लोग संक्रमित हो गए हैं। स्वास्थ विभाग चिकित्सा सुविधा बहाल करने में विफल हो गई है। इस बारे में रोगी कल्याण समिति के सचिव तृणमूल जिला नेता उत्तम मुखर्जी ने बताया की भाजपा गंदी राजनीति कर कर रही है। अस्पताल के चिकित्सक अपनी कार्य को बेहतर से अंजाम दे रहे हैं इस स्थिति में भाजपा को सहयोग करना चाहिए।

सड़क मरम्मत की मांग पर स्थानीय लोगों ने वाहनों की आवाजाही रोकी

बोरो संख्या 4 के चेयरमैन के आश्वासन के बाद लोगों ने सड़क जाम हटाया

दुर्गापुर, 11 जनवरी। दुर्गापुर नगर निगम के 29 नंबर वार्ड ग्रेफाइट फैक्ट्री के सामने मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क मरम्मत की मांग को लेकर सड़क पर वाहनों की आवाजाही एक घंटा तक जाम कर प्रदर्शन किया। चार नंबर बोरो चेयरमैन सुनील चटर्जी के आश्वासन के बाद लोगों ने सड़क से प्रदर्शन हटा लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि फैक्ट्री के सामने वाले सड़क मरम्मत का कार्य अड्डा के दायरा में आता है। लेकिन यहां पर कई सालों से मरम्मत का कार्य लटका हुआ है। आसनसोल दुर्गापुर विकास प्राधिकरण (अड्डा) प्रबंधन कहते हैं कि सडक मरम्मत का कार्य दुर्गापुर नगर निगम करेंगे जबकि

दुर्गापुर नगर निगम के प्रबंधन अड्डा पर जिम्मेवारी थोप रहे हैं। इस सड़क का मरम्मत कार्य किसी एक को लेना होगा, नहीं तो आने वाले दिनों में जोरदार अंदोलन किया जाएगा। हर बार लोगों को आश्वासन छोड़कर कुछ नहीं मिलता है।आये दिन छोटे बड़े दुर्घटना से रूबरू होना पड़ता है। चार नंबर बोरो चेयरमैन सुनील चटर्जी ने कहा कि कुछ दिनों में अड्डा की तरफ से सड़क मरम्मत की कार्य शुरू हो जाएगा। दो करोड़ 80 लाख रूपए का टेंडर पास हुआ है। लगभग एक घंटे की आवाजाही ठप्प होने के बाद कोकोवेंन पुलिस ने लोगों को समझ बुझा कर सड़क पर आवाजाही दुबारा से चालू करायी।

ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को दी जा रही वैक्सीन

रानीगंज, 11 जनवरी। ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ रानीगंज के कई अधिकारियों को कोरोना संक्रमित होने के पश्चात भी बाकी के सभी कर्मी लोगों की चिकित्सा एवं वैक्सीन देने के काम में अभूतपूर्व भूमिका निभा रहे हैं। ब्लाक प्राइमरी के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ मनोज शर्मा एवं सीएचओ अधिकारी शुचनदरा चट्टोपाध्याय प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को वैक्सीन देने का काम बेहतर ढंग से कर रहे हैं। सीएचओ अधिकारी शुचनदरा चट्टोपाध्याय ने बताया कि लोगों की स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ रानीगंज ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ के अधीन सभी स्वास्थ्य केंद्रों में एवं विभिन्न स्कूलों में वैक्सीन देने का काम हमलोग निरंतर कर रहे हैं। लोगों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए सेंटर के सभी कर्मी मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बूस्टर डोज देने का कार्य भी चल रहा है उन्होंने लोगों से निवेदन किया कि कोरोना जांच के पश्चात ही बूस्टर का डोज लेना चाहिएस क्योंकि अभी अधिकतर लोग कोरोना संक्रमित है ऐसे में अगर कोई बूस्टर का डोज लेता है तो उसके स्वास्थ्य में खराबी भी आ सकती है। सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए प्रतिदिन लोगों को वैक्सीन दी जा रही है।

चोरी के सामान के साथ चोर गिरफ्तार

सालनपुर, 11 जनवरी। रूपनारायनपुर क्षेत्र में दिन प्रतिदिन घर से चोरी होने के मामले सामने आ रहे हैं। कुछ ही दिन पहले सीमंतपल्ली के एक घर से खिड़की तोड़कर काफी सारे कीमती सामान चोरों ने चोरी कर लिया था। इससे एक हसे पहले 30 दिसंबर 2021 को रूपनारायणपुर क्षेत्र में पश्चिम रंगमटिया क्षेत्र में मोनिंद्र बैठा नाम के व्यक्ति के घर में भी चोरी हुए थे। जिसके छानबीन के बाद रूपनारायणपुर चौकी के पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की और आखिरकार पुलिस के हाथों एक सुराग लग गया कि सुमन दत्त नाम का शख्स बीते दिनों एक अन्य मामले में जेल की हिरासत में था। पुलिस ने तब सुमन दत्त की रिमांड के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। सात जनवरी को सुमन दत्त को पुलिस हिरासत में भेज दिया था। बाद में पुलिस ने उससे पूछताछ की वहां से चंदन रुद्र नाम के एक अन्य व्यक्ति को नाम सामने आने से पुलिस ने जेमारी गांव से उसके ही घर उस व्यक्ति को 10 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

Nagaland State Lotteries
DEAR
TEESTA MORNING TUESDAY WEEKLY LOTTERY
01:00 PM
Draw No:59 Price ₹6/- Draw Date on:11/01/22
1st Prize Rs.1 Crore/- 38G 95608
(INCLUDING SUPER PRIZE AMOUNT)
Sold by : SUB-STOCKIST- NEW SHARMA DIST - BAGDOGRA (SHARMA DIST - SGUJ)
Cons. Prize Rs.1000/- 95608
(REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize Rs.9000/-
16168 23332 26509 33311 33370 47939 48009 48534 68181 99637
3rd Prize Rs.450/-
0184 1531 3485 3883 4056 4550 5393 5948 8157 8976
4th Prize Rs.250/-
0768 2705 3950 4073 7784 7868 8337 8741 9327 9967
5th Prize Rs.120/-
0000 1048 2399 3903 5101 5712 6384 7108 8165 9277
0157 1193 2651 3908 5259 5738 6444 7345 8253 9328
0212 1274 2798 3920 5383 5857 6469 7480 8470 9416
0466 1353 3247 4220 5409 5873 6665 7713 8599 9519
0542 1537 3275 4256 5535 5977 6834 7823 8729 9564
0615 1600 3524 4573 5536 6084 6895 7926 9038 9680
0688 2006 3617 4587 5550 6131 6904 7931 9076 9715
0798 2206 3640 4767 5587 6230 6927 7944 9118 9819
0990 2214 3659 4978 5591 6290 7058 8021 9191 9905
0996 2355 3696 5003 5636 6350 7072 8117 9242 9981
01:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
MOON TUESDAY WEEKLY LOTTERY
06:00 PM
Draw No:59 Price ₹6/- Draw Date on:11/01/22
1st Prize Rs.1 Crore/- 90E 87920
(INCLUDING SUPER PRIZE AMOUNT)
Returned To Govt by Dist from : SUB-STOCKIST - ANJALI LOTT AGY - GOALTORE (NEW LOTT-MDN)
Cons. Prize Rs.1000/- 87920
(REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize Rs.9000/-
24968 32702 40329 43181 46576 78820 81182 82653 83675 92298
3rd Prize Rs.450/-
2025 4080 4337 4496 4527 5041 7778 7851 9246 9716
4th Prize Rs.250/-
2215 3305 4796 5443 6731 7316 8449 9090 9116 9320
5th Prize Rs.120/-
0102 0888 2128 2715 3406 4515 5887 7117 7831 9064
0218 1288 2150 2716 3702 4723 5901 7188 8015 9145
0318 1457 2195 2748 3800 4803 5963 7216 8035 9352
0351 1484 2202 2786 4140 4948 6025 7383 8097 9354
0419 1661 2415 3034 4143 5528 6311 7440 8304 9496
0420 1875 2435 3063 4264 5530 6624 7495 8680 9509
0682 2036 2593 3191 4295 5589 6948 7513 8708 9538
0719 2049 2609 3193 4368 5671 6990 7609 8719 9604
0776 2058 2666 3215 4381 5765 7002 7707 8733 9649
0827 2089 2698 3399 4421 5781 7083 7742 8922 9691
06:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
PARROT EVENING TUESDAY WEEKLY LOTTERY
08:00 PM
Draw No:159 Price ₹6/- Draw Date on:11/01/22
1st Prize Rs.1 Crore/- 63G 94917
(INCLUDING SUPER PRIZE AMOUNT)
Sold by : SUB-STOCKIST- NEW ROY LOTT AGY - KARIMPUR - (ROY LOTT DIST - KRPR)
Cons. Prize Rs.1000/- 94917
(REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize Rs.9000/-
09073 26767 34497 45273 48780 53521 65478 80000 90989 93580
3rd Prize Rs.450/-
0778 0973 1368 2257 2523 2599 3394 5343 6256 8627
4th Prize Rs.250/-
0820 1781 1804 2144 2356 2403 3338 4461 4971 5638
5th Prize Rs.120/-
0188 1105 1986 3333 4281 5587 6399 6983 8350 9247
0199 1132 2038 3373 4513 5692 6616 7152 8374 9252
0325 1179 2114 3468 4538 5898 6650 7397 8445 9377
0508 1213 2247 3492 4599 6003 6772 7649 8502 9419
0547 1240 2271 3755 4631 6087 6793 7906 8588 9469
0626 1343 2456 3927 4842 6129 6801 7930 8606 9512
0687 1420 2510 3939 5176 6132 6851 8035 8727 9552
0691 1424 2665 4087 5276 6247 6893 8115 9119 9688
0924 1705 2739 4118 5353 6274 6897 8160 9190 9729
1022 1940 3254 4197 5401 6338 6910 8215 9194 9792
08:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw

B-6_Layout 1 1/11/2022 8:36 PM Page 1

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए शुरू हुई डॉक्टर्स ऑन व्हील्स सेवा

बुजुर्गों के उपचार के लिए उनके घर पहुंच रहे डॉक्टर

कोलकाता: कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए दक्षिण 24 परगना के पांच ब्लाकों में मंगलवार से च्ड्डॉक्टर्स ऑन व्हील्सज्ज् सेवा शुरू हुई। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की तरफ से इस प्रयास को डायमंड हार्बर मॉडल नाम दिया गया है। इस मॉडल की प्रशंसा भी खूब हो रही है। कोविड से निपटने के लिए तृणमूल ने इसी मॉडल को हथियार बनाया है।

डायमंड हार्बर के सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महाचिव अभिषेक बनर्जी की पहल पर यह सेवा शुरू की गई है। इस सेवा के तहत कोरोना के लक्षण पाए जाने वाले लोगों की जांच एवं उपचार के लिए खुद डॉक्टर उनके घर पहुंच जाएंगे। विशेषकर बुजुर्गों के लिए यह कदम उठाया गया है। चिकित्सकों के संगठन प्रोटेक्ट द वॉरियर्स के सहयोग से यह प्रयास शुरू किया गया है। दक्षिण 24 परगना के हर ब्लॉक में चिकित्सकों की यह टीम घूमेगी। इस टीम में राज्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिर्वाण दलुई, सुमन मुखोपाध्याय, स्वर्णपाली माइती, सौमित्र कुमार सहित अन्य कई डॉक्टर शामिल हैं। डॉ. अनिर्वाण दलुई का कहना है क काफी संख्या में ऐसे लोग हैं जो बुजुर्ग हैं, उनके पास मोबाइल फोन नहीं हैं, उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है जबकि उनमें कोरोना के लक्षण हैं और वे अपने घर से बाहर निकलने में असमर्थ हैं। ऐसे लोगों के लिए च्ड्डॉक्टर्स ऑन व्हील्सज्ज् टीम उनके घर पहुंचेगी। इस टीम में डॉक्टरों के साथ नर्स और स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल हैं। बीमार लोगों को इस टीम द्वारा दवा देने के साथ ही उनमें ऑक्सीजन की मात्रा की जांच भी की जाएगी।

जिलों में कोविड पाबंदियों को और कड़ाई से लागू करने का सुझाव

टीकाकरण के लिए विशेष व्यवस्था करने का निर्देश

कोलकाता: कोरोना की तीसरी लहर में संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में संक्रमण रोकने के लिए राज्य सरकार की तरफ से विभिन्न उपाए किए जा रहे हैं। पहले से ही कोविड पाबंदियां लागू की गई हैं, लेकिन परिस्थिति को देखते हुए राज्य सचिवालय नवान्न ने जिला प्रशासन को कोविड पाबंदियों को और कड़ाई से लागू करने का सुझाव दिया है। कड़ी कोविड पाबंदियों के साथ ही वैक्सीन की दूसरी डोज जल्द पूरी करने का भी निर्देश भी दिया गया है। बूस्टर डोज के लिए भी जिला प्रशासन को विशेष व्यवस्था करने को कहा गया है।

बताया गया है कि राज्य में कोरोना पॉजिटिव दर में फिर से वृद्धि हुई है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 19,286 नए मामले सामने आए हैं। इसके पहले यह संख्य 24,287 थी। इसमें पॉजिटिव दर पहले 33.89 फीसदी थी जो पिछले 24 घंटे में बढ़कर 37.32 फीसदी हो गयी।

केंद्र सरकार की घोषणा के मुताबिक 15-18 वर्ष की उम्र वालों का टीकाकरण चालू है। इसके साथ ही राज्य में बूस्टर डोज अभियान भी शुरू हो गया है। राज्य में कोरोना संकमण रोकने के लिए और कड़े कोविड नियम लागू करने का निर्णय लिया गया है। जरूरत पड़ने पर और अधिक कंटेनमेंट जोन तैयार करने को कहा गया है। टेलीमेडिसिन सेवा को और मजबूत करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही जिला प्रशासन को वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज देने के कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए विशेष व्यवस्था करने को कहा गया है।

श्याम नगर नार्थ एवं गोंदल पाड़ा के बाद अब नार्थ ब्रुक जूट मिल में लटका ताला

हुगली। श्याम नगर नार्थ एवं गोंदल गोंडल पाड़ा के बाद अब हुगली के चांपदानी स्थित नार्थ ब्रुक जूट मिल में मंगलवार से ताला लटक गया। प्रबंधन द्वारा गेट पर कार्य स्थगन की नोटिस लगाने के बाद एक बार फिर से इस मिल के लगभग साढ़े तीन हजार मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। प्रबंधन ने उत्पादन एवं कच्चे माल की कमी का हवाला देकर सोमवार की देर रात मिल गेट पर कार्य स्थगन की नोटिस लगा दी। प्रबंधन के इस बर्ताव से श्रमिकों में काफी नाराजगी है। मजदूरों का आरोप है कि मालिक ने मनमाने तरीके से एक बार फिर से मिल में अस्थायी रूप से तालाबंदी कर दी है जिससे हमलोगों ने सामने रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। मंगलवार की सुबह रोजाना की तरह जब मजदूर काम पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मिल का गेट बंद है ओर

बंद गेट पर कार्य स्थगन की नोटिस लगी है। मिल में तालाबंदी की नोटिस देख मजदूरों का गुस्सा फूट पड़ा। श्रमिक गेट पर ही अपनी नाराज़गी जताने लगे। बताया गया है प्रबंधन एवं श्रमिकों के बीच चल रहे अनबन के चलते सोमवार से ही मिल में गतिरोध जारी था। मजदूरों का कहना है कि पिछले तीन सालों के अंदर इस कोरोना महामारी के बीच मिल में चार बार तालाबंदी हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 के जून महीने में प्रबंधन एवं मजदूरों के बीच हुए बवाल में श्रमिकों ने इस मिल के सीईओ एच के माहेश्वरी की पीट-पीट कर हत्या का दी थी। इधर मिल तृणमूल ट्रेड यूनियन के नेता राम बाबू साव का कहना है कि उन्होंने अपने स्तर से मिल बंद होने की जानकारी श्रममंत्री बेचा राम मन्ना को दे दी है। मालूम हो कि हुगली जिले में कुल दस जूट मिलें हैं। इनमें से श्रीरामपुर की इंडिया जूट मिल लम्बे समय से बंद पड़ी है। एशिया की सबसे प्राचीन जूट मिल रिसड़ा की वेलिंग्टन जूट मिल खुले होने के बाद भी इसमें पूर्ण रूप से उत्पादन का काम नहीं हो पा रहा है। दिसंबर माह में भद्रेश्वर की श्याम नगर नार्थ जूट मिल में प्रबंधन ने ताला जड़ा था जबकि इस साल के प्रथम दिन यानी एक जनवरी को चंदननगर स्थित गोंदलपाडा जूट प्रबंधन ने कच्चे माल की कमी का उल्लेख करते हुए गेट पर मिल बंद की नोटिस जारी कर दी थी।

बूस्टर डोज नहीं ले पाए उप मेयर अतीन घोष

कोलकाता: उप मेयर व कोलकाता नगर निगम के मेयर परिषद सदस्य अतीन घोष (स्वास्थ्य विभाग) कोरोना रोधी वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज यानी बूस्टर डोज नहीं ले सके। उन्हें मंगलवार को अपने ही वार्ड के अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर से बिना बूस्टर डोज लिए लौट जाना पड़ा। ऐसा इसलिए हुआ कि को-विन पोर्टल ऐप पर उन्हें बूस्टर डोज लेने के योग्य नहीं बताया गया। इस वजह से उप मेयर को इस दिन प्रिकॉशन डोज नहीं मिल पाई।

इस घटना पर अतीन घोष का कहना है कि विपक्षी दल आरोप लगाते हैं कि राज्य में प्रभाव दिखाकर वैक्सीन ली जा रही है।

अतीन ने कहा कि उन्हें डोज की अनुमति नहीं मिलने से यह साफ हो गया कि विपक्षी दलों का यह आरोप झूठ है। उल्लेखनीय है कि सोमवार से देशभर में बूस्टर डोज देने का कार्य शुरू हुआ है। इस डोज के शुरुआती दिन अपने वार्ड के हेल्थ सेंटर का जायजा लेने पहुंचे डिप्टी मेयर अतीन घोष को मालूम हुआ कि वे भी बूस्टर डोज ले सकते हैं। इसलिए वे मंगलवार को उसी सेंटर पर डोज लेने पहुंचे। को-विन ऐप पर जब उनके मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर दर्ज किए गए तो उन्हें बूस्टर डोज के लिए च्नॉट इलिजिबलज्ज् बताया गया।

अतीन घोष ने 16 अप्रैल को कोविड टीका की दूसरी डोज ली थी। अतः नियमानुसार वे 16 जनवरी को बूस्टर डोज लेने के योग्य होंगे। हालांकि को-विन ऐप ने डिप्टी मेयर को इस डोज के लिए अयोग्य बताया है, लेकिन इस घटना से अतीन घोष कुछ देर के लिए भ्रम में पड़ गए थे।

भीड़ से बचने के लिए वामो का अभिनव चुनाव प्रचार

ई-पथसभा पर दिया जायेगा जोर

कोलकाता: विधाननगर नगर निगम चुनाव को लेकर इस बार वाममोर्चा भीड़ से बचने के लिए चुनाव प्रचार का अभिनव तरीका अपनाने जा रहा है। जगह-जगह ई-पथसभा का आयोजन किया जायेगा। बुधवार की रात 8 बजे पहली ई-पथसभा का आयोजन होगा यानी वर्चुअल सभा। इस सभा में वक्तव्य रखेंगे सायनदीप मित्रा व दिप्सिता धर। इस सभा में 28 नंबर वार्ड के प्रार्थी बेलपति मुंडा, 29 नंबर वार्ड के प्रार्थी शाश्वती मंडल, 30 नंबर वार्ड के प्रार्थी अरिंदम दास, 31 नंबर वार्ड के प्रार्थी सुकांत बनर्जी व 33 नंबर वार्ड के प्रार्थी बासव बसाक उपस्थित रहेंगे। यह बता दें कि विधानसभा चुनाव में वाममोर्चा शून्य पर आ गयी थी लेकिन कोलकाता नगर निगम चुनाव में 2 सीटें मिलने के बाद वाममोर्चा ने खुद को राजनैतिक जंग के काबिल मान लिया और खुल कर चुनाव मैदान में उतरने लगा। मोर्चा के मुख्य घटक माकपा का मानना है कि पार्टी में युवा पीढ़ी की जरूरत है। युवाओं को आगे लाने की कोशिश की जा रही है। यह बता दें कि सायनदीप मित्रा बेलघरिया से सभा को संबोधित करेंगे। वे सीपीएम की राज्य कमेटी के सदस्य हैं। वहीं दिप्सिता केरल से सभा को संबोधित करेंगी। दिप्सिता एसएफआई की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव हैं। इस बार सीपीएम सायनदीप व दिप्सिता जैसे युवाओं को सामने रख कर युवा पीढ़ी को आकर्षित करने की तैयारी कर रही है। यह बता दें कि विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से सीएम ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी से टक्कर दिलाने के लिए वाममोर्चा ने मीनाक्षी मुखर्जी को चुनाव मैदान में उतारा था और इस बार सायंतन व दिप्सिता को चुनाव मैदान में उतारा है।

सोसाइटी बेनिफिट सर्किल की गंगासागर तीर्थयात्रियों की सेवा

कोलकाता, 11 जनवरी। बाबूघाट में श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति शिविर में सोसाइटी बेनिफिट सर्किल ने गंगासागर तीर्थयात्रियों की चिकित्सा शुरू की है। संस्था के सचिव पवन बंसल ने बताया कि दो दिन पहले शिविर का उद्घाटन हुआ, जहां गंगासागर तीर्थयात्रियों की निःशुल्क चिकित्सा की जा रही है। 24 घंटे डॉक्टर एवं नर्स चिकित्सा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 17 जनवरी को शिविर का समापन होगा। गत तीन दिनों में 2 हजार से

अधिक तीर्थयात्रियों की चिकित्सा की गयी है। मनीष धानुका, उमाशंकर जोशी, सुभाष सांवरदावाला, विनय सोन्थलिया, आदित्य बिक्रम तुलसयान, विमल मुरारका आदि सक्रिय हैं।

संक्रमण रोकने के लिए बंद हो सकते हैं शॉपिंग मॉल

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में कोविड परिस्थिति दिन व दिन गंभीर होती जा रही है। इसके मुकाबले राज्य सरकार ने जहां चिकित्सा के हर उपाए कर रखे हैं, वहीं लोगों को सावधान भी किया है। संक्रमण से बचने के लिए पहले से ही राज्य में पाबंदियां लागू की गई हैं। स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। कई इलाकों को कंटेनमेंट जोन में तब्दील किया गया है। सरकारी एवं निजी संस्थानों में 50 फीसदी उपस्थिति की अनुमति दी गई है। इन सबके बावजूद संक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में राज्य सरकार कोविड नियमों को और कड़ा कर सकती है। बताया जा रहा है कि विकट होती स्थिति को लेकर शॉपिंग मॉल कुछ दिनों के लिए पूरी तरह से बंद किए जा सकते हैं। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्रों में प्रतिबंध लगाये जा सकते हैं। हालांकि इस बारे में अभी तक राज्य सरकार की तरफ से कोई नया निर्देश नहीं जारी किया गया है। 15 जनवरी के भीतर कोविड को लेकर राज्य सरकार की तरफ से नई गाइडलाइन जारी हो सकती है। नियम कड़े किए गए तो आम लोगों की परेशानियों के भी बढ़ने की आशंका है।

भारतवर्ष के नवीनतम ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने पेश की जिंटा बार्टर

कोलकाता, (नि.स)। भारत का नवीनतम ई-कॉमर्स प्लस प्लेटफॉर्म जिंटा जिसे हाल ही में बार्टरिंग की एक अनूठी विशेषता के रूप में लॉन्च किया गया था, यह

6,000 ईसा पूर्व से लोकप्रिय लेनदेन का एक तरीका है। यह माल की अंतर्निहित आवश्यकता पर आधारित नहीं है, इसका उद्देश्य उपभोक्ता के रूप में आपके सामान का अधिकतम मूल्य निकालना है। और एक व्यवसाय के रूप में आपके कौशल और सेवाएं। विश्व स्तर पर, वस्तु विनिमय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और कोई मंदी नहीं दिख रही है। आंकड़ों की बात करें तो भारत में घरों में रखे अनुपयोगी सामानों की अनुमानित कीमत 85,000 करोड़ रुपये है। जिंटा की लॉन्चिंग के दौरान कम्पनी के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष श्री लक्ष्मण जायसवाल ने कहा, जिंटा, गिव ऐंड टेक के प्राचीन भारतीय मूल्य पर आधारित है। बीटूबी, बीटूसी, सीटूबी, सीटूसी बिक्री, खरीद, बोली और विनिमय के साथ हमारा सोशल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ई-कॉमर्स और उससे आगे के लगभग हर बोधगम्य पहलुओं को कवर करेगा। वहीं कम्पनी के निदेशक सोहम जायसवाल ने कहा, जिंटा कम्पनी के खर्च को बचाने में मददगार साबित होगी।

नवान्न के पास सड़क दुर्घटना में 6 घायल

हावड़ा । राज्य सचिवालय नवान्न के पास हुई सड़क दुर्घटना में 6 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए हावड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। घटना मंगलवार दोपहर की है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विद्यासागर सेतु के टोल प्लाजा के पास बागनान-धर्मतला और सियालदाह-धूलागढ़ रूट की बसों के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में एक महिला सहित 6 लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को किरण एम्बुलेंस से हावड़ा जिला अस्पताल पहुँचाया। इस घटना के कारण थोड़ी देर के लिए यातायात प्रभावित हो गया। बाद में पुलिस ने बसों को रास्ते से हटाया।

दुर्घटनाग्रस्त बस के चालक ने बताया कि वह बस धीरे-धीरे ले जा रहा था।

शालीमार- भानपुर तथा भानपुर- पुरी के बीच विशेष ट्रेन

कोलकाता. 11 जनवरी। शालीमार- भानपुर- शालीमार के बीच 15 जनवरी से 9 अप्रैल तक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिये गया है। अन्य विशेष ट्रेन भंजपुर- पुरी- भंजपुर 13 जनवरी से 8 अप्रैल के बीच चलेगी। शालीमार - भंजपुर विशेष ट्रेन शालीमार से प्रत्येक वृहस्पतिबार को 16.25 बजे खुलेगी जो उसी दिन भंजपुर 21.30 बजे पहुंचेगी। भंजपुर से प्रत्येक शनिवार को 09.40 बजे खुलेगी जो उसी दिन शालीमार 16.00 बजे पहुंचेगी।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के बाबूघाट गंगासागर सेवा शिविर में स्व. हजारीमल दिवान, स्व. विजय दिवान, स्व. पुष्पा देवी दिवान की स्मृति में उनके परिवार तथा पुत्रों द्वारा तथा संतोष रूंगटा द्वारा कम्बल वितरण किया गया तथा रूपा कंपनी के कर्णधार प्रह्लाद राय अग्रवाल द्वारा थर्मोकोट वितरण किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष विवेक गुप्ता, सचिव विमल दिवान, संयोजक सुरेश खंडेलवाल, पवन बंसल, सुभाष सांवरदावाला, संतोष केसरवानी, जे पी गुप्ता, गिरधारी अग्रवाल, विमल मुरारका आदि उपस्थिति थे।

पूरे के वर्कशॉप में वैगनों का आधुनिकीकरण

कोलकाता,11 जनवरी। पूरे के वर्कशापों जैसे- जमालपुर, कंचरापाड़ा, लिलुआ में वैगनों का आधुनिकीकरण किया गया। इसमें आरओ- आरओ सुविधा उपलब्ध कराई गयी है।

वैगनों को बीआरएनए टाईप बनाया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह वैगन काफी अच्छी है। संचालन

में भी काफी सुविधाजनक है।

पूर्व रेलवे कोविड वैक्सिनेशन का कार्यक्रम लगातार चला रही है। जमालपुर में अंतर कॉलेज छात्रों में वैक्सिनेशन का काम किया गया। मंगलवार को 200 छात्रों का वैक्सिनेशन किया गया।

कोरोना ने यौन कर्मियों का धंधा किया चौपट, बदलना चाहती हैं राह

कोलकाता। कोरोना महामारी का असर न सिर्फ कर्म संस्थानों व व्यापार के क्षेत्रों पर असर पड़ा है बल्कि जिस्मफरोशी का धंधा करने वालों को भी यह गहरा जख्म दे रही है। हालात ऐसे हो गये हैं कि जिस तरह से लोग नौकरी व काम छोड़ कर पलायन कर रहे हैं, उसी तरह जिस्मफरोशी का धंधा करने वाली यौनकर्मी भी आपस में कह रही हैं- चल कहीं कुछ और धंधा करते हैं। हम बात कर रहे हैं उत्तर कोलकाता के सोनागाछी की जहां की यौनकर्मियों की जिनका फिलहाल धंधा चौपट हो गया है। इनके बच्चे भी खाने के मोहताज हो गए हैं। साल 2020 से ही यो कोरना महामारी की ऐसी मार झेल रही हैं कि कई सेक्स वर्कर्स की आजीविका के साधन खत्म होने के कारण वे भुखमरी के कगार पर पहुंच गई हैं। उन्हीं में से एक सेक्स

वर्कर्स का कहना है कि अब तो दो वक़्त का खाना भी वह नहीं जुटा पा रही हैं। भयावह बीमारी के डर से ग्राहक नहीं मिल रहे, जिसका असर हम पर पड़ रहा है। सोच रही हूं कि धंधा ही बदल दूं। इसके लिए वह अपनी साथी-सहेलियों से धंधा बदलने को लेकर चर्चा भी करती रहती हैं। सोनागाछी की दुर्बार महिला समन्यवय कमेटी की ओर से महाश्वेता मुखर्जी का कहना है कि कोविड की जब पहली लहर आयी थी तभी यौन कर्मियों के धंधों पर गहरा असर पड़ा था। उस दौरान कुछ यौन कर्मियों ने ऑनलाइन धंधा करना शुरू कर दिया था। ये ऑनलाइन धंधा कैसे होता था, इस पर महाश्वेता मुखर्जी का कहना है कि मोबाइल फोन के विडियो कॉल करके ग्राहकों से न सिर्फ यौन संबंधी बातें करतीं बल्कि यौवन दर्शा कर ग्राहकों से ऑनलाइन रुपये लेती थी। वक्त गुजरता गया लेकिन ऑनलाइन धंधा चल नहीं पा रहा था। उन्होंने बताया कि कुछ पुराने ग्राहकों के मोबाइल नंबर थे, जिससे उनका काम हो जाता था। हालांकि धंधा सीमित रह जाता था। कोरोना के हालात थोड़े सुधरने लगे थे तब यौन कर्मियों के चेहरे पर मुस्कान आने लगी थी तब तक कोरोना का दूसरी लहर आ गयी। धंधे में और गिरावट। उसके बाद अब तीसरी लहर की चपेट में सारा देश है। आखिर कितने दिनों तक धंधा चौपट रहेगा, यह तय नहीं है। ऐसे में उनकी यहां की यौन कर्मी चाहती हैं कि अब वह अपना धंधा ही बदल दें। महाश्वेता मुखर्जी का यह भी कहना है कि कौन व्यक्ति कोरोना संक्रमित है, यह कहना संभव नहीं है। कोरोना संक्रमित व्यक्तियों से लालसा मिटाने की कोशिश में कहीं यौन कर्मी बड़ी बीमारी का शिकार न हो जायें। इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए शरीर का यह धंधा अब खतरे से खाली नहीं रहा। यौन कर्मियों की बदतर हालत को देखते हुए राज्य की समाज कल्याण मंत्री शशि पांजा ने सोमवार को खाद्य सामग्री वितरित की लेकिन चंद दिनों के भोजन से यौन कर्मियों की भूख कितने दिनों तक मिटी रहेगी? यह सवाल यौन कर्मियों का है। बेहतर यही है कि कहीं अन्य जगह जाकर ऐसा धंधा करें जो समाज को भी पसंद हो। दुर्बार महिला समन्यवय कमेटी के अनुसार सोनागाछी में सामान्य दिनों में हर दिन लगभग 20 हजार ग्राहकों का आना-जाना लग रहता था। मौजूदा स्थिति में लगभग 2 से 3 सौ ग्राहक ही आते हैं। ग्राहकों के आँकड़ों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यौन धंधा का ग्राफ कितना नीचे आ गया है।

कोलकाता सहित विभिन्न जिलों में बारिश शुरू, पांच जिलों को चेतावनी

कई जगहों पर बिजली गिरने की आशंका, किसानों की बढ़ी चिंता

कोलकाता। राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार को बारिश शुरू हो गई। अलीपुर मौसम विभाग ने पहले ही इसका अनुमान जताया था। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण बंगाल के कई जिलों में गरज के साथ बारिश होगी। बीरभूम, पूर्व बर्दवान, झाड़ग्राम एवं मिदनापुर जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान अकाशीय बिजली भी गिर सकती है। सभी को सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है। हुगली और कोलकाता के लिए भी चेतावनी दी गई है।

मंगलवार की सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। दोपहर से ही विभिन्न जिलों में बारिश शुरू हो गई। हवा के साथ बारिश होने से किसान इस बात को लेकर चिंतित हैं कि बारिश बढ़ी तो

क्या होगा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक यदि बारिश और बढ़ी तो आलू की खेती को भारी नुकसान होगा। ऐसे ही वर्ष की शुरुआत से ही मौसम की मार से खेती को अत्यधिक नुकसान हुआ है। बारिश ने एक बार फिर किसानों के लिए चिंता का विषय बना दिया है।मौसम विभाग ने बताया कि अगले 48 घंटों में दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में बारिश की संभावना है। पश्चिमी हवाओं के कारण हवा की दिशा में बदलाव एवं बंगाल की खाड़ी से आने वाले जलवाष्प के कारण बारिश शुरू हुई है।

B-7_p-7.qxd 1/11/2022 8:38 PM Page 1

संक्षिप्त समाचार

निकाय कोटे के विधान परिषद की 12 सीटों पर जदयू की तैयारी, इन चेहरों पर दांव लगा सकती पार्टी

पटना, एजेंसी। निकाय कोटे के विधान परिषद की 24 सीटों पर चुनाव होने हैं। 12 सीटों जदयू के संभावित प्रत्याशियों ने अपनी तैयारी अभी से आरंभ कर दी है। कहा जा रहा कि पार्टी ने आगे बातचीत की संभावना को ध्यान में रख संभावित प्रत्याशियों को अभी से ही सक्रियता बढ़ाने का संदेश दिया हुआ है। चर्चा है भी है कि जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा भी चुनाव लड़ सकते हैं। अपने गृह जिले से उनके हाथ आजमाने की संभावना है। निकाय कोटे की कुछ सीटें जदयू की परंपरागत रही हैं। इनके बारे में कहा जा रहा कि कोई अगर-मगर नहीं होगा। इनमें गया, नवादा, नालंदा और मुजफ्फरपुर की सीटें हैं। गया में मनोरमा देवी फिर से मैदान में होंगी। इसी तरह नवादा में जदयू प्रत्याशी के रूप में दो नाम निवर्तमान विधान पार्षद सलमान रागिब के साथ-साथ एक महिला का नाम है। महिला राजद के जातिगत समीकरण से आती हैं। नालंदा में अभी से ही जदयू की निवर्तमान विधान पार्षद रीना यादव ने अपनी तैयारी शुरू कर रखी है। मुजफ्फरपुर में फिर से दिनेश सिंह के नाम की चर्चा है। तय माना जा रहा कि कुछ पुराने चेहरे पर भी जदयू दांव लगाएगा। ये लोग दूसरे दल से जदयू में आए हैं। इनमें भोजपुर से राधाचरण सेठ और मुंगेर से संजय प्रसाद का नाम आ रहा है। पश्चिमी चंपारण से राजेश राम का नाम है। बांका से एक पुराने यादव नेता या अगड़ी जाति के एक नेता को मौका मिल सकता है। सीतामढ़ी से पंकज पूर्वे का नाम सामने आ रहा।

बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए तेजस्वी ने तय किए राजद के नौ प्रत्याशी

पटना, एजेंसी। उपचुनाव में कांग्रेस के साथ राजद का खटराग अभी पूरी तरह खत्म भी नहीं हुआ कि स्थानीय कोटे की 24 सीटों पर होने वाले विधान परिषद चुनाव में फिर दोनों दल आमने-सामने हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कांग्रेस की परवाह किए बिना अपने स्तर से नौ प्रत्याशियों के नाम लगभग तय कर लिए हैं। सिर्फ राजद प्रमुख लालू प्रसाद की सहमति और घोषणा बाकी है। हालांकि कुछ सीटों पर अभी भी कवायद जारी है। राजद की जिन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए हैं, उनमें वैशाली से सुबोध कुमार, गया से डुक्षरकू यादव, मुंगेर से अजय सिंह, औरंगाबाद से अनुज कुमार सिंह, रोहतास से कृष्ण कुमार सिंह, भोजपुर से अनिल सम्राट, पश्चिमी चंपारण से इंजीनियर सौरभ कुमार, सीतामढ़ी से खब्बू खिरहर एवं दरभंगा से उदय शंकर यादव का नाम शामिल है। सूत्रों के मुताबिक इन सीटों पर अब किंतु-परंतु नहीं है। कुछ और सीटों पर जीत की संभावना वाले प्रत्याशियों के नाम तय करने की प्रक्रिया जारी है। पूर्वी चंपारण से बब्लू देव का नाम अभी तक आगे चल रहा था, किंतु हाल में जदयू से राजद में आए महेश्वर सिंह की दावेदारी के चलते मामला फंस गया है। इसी तरह नवादा से श्रवण कुमार, कोसी से डा. अजय सिंह एवं सिवान से विनोद जायसवाल का नाम आगे चल रहा है, किंतु अधिकृत होने के लिए इन्हें कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। कई क्षेत्र ऐसे भी हैं, जिनपर अभी प्रारंभिक विमर्श ही किया जा रहा है। ऐसी सीटों में मधुबनी, समस्तीपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, किशनगंज और पटना शामिल हैं। राजद ने भागलपुर की सीट भाकपा को दे रखी है। इसके अलावा वामदलों की ओर से कोई दावेदारी नहीं है।

सीएम ने सड़कों का जीर्णोद्धार कर विकास की नींव को किया मजबूत : डा. फराज

दरभंगा, एजेंसी। सिंहवाड़ा में जदयू प्रदेश महासचिव सह पूर्व विधायक डा.फराज फातमी ने बिरदीपुर चौक से फुलतुहा तक निर्माणाधीन मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क का सोमवार को निरीक्षण किया। विभागीय पदाधिकारियों को प्राक्लन के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य निर्धारित समय मार्च तक पूर्ण करने को कहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामाजिक सुधार अभियान ने आम जनता को विकास व न्याय के प्रति जागरूक किया है। विधायक कार्यकाल में मैंने बिरदीपूर,मनिहास सहित कई पंचायत में क्षतिग्रस्त सड़कों के जीर्णोद्धार को लेकर विभाग को अनुशंसा की थी। प्रगति के साथ निर्माण कार्य व सुगम आवागमन को देख कर हम सभी को प्रसन्नता हो रही है। बस्तवाड़ा से बिरदीपुर डीह टोला जाने वाली सड़क का निर्माण शीघ्र पूरा करने को लेकर जदयू महा सचिव सईद आलम ने विधायक का ध्यान आकृष्ट कराया।

हृदय के मरीजों के लिए घातक है कोरोनावायरस का हर स्ट्रेन, बिना लक्षण वाले मरीजों को भी नुकसान

पटना, एजेंसी। कोरोना का डेल्टा वैरिएंट हो या ओमिक्रोन, हृदय रोगियों या जिनके घर में हृदय रोग की हिस्ट्री हो, उनके लिए घातक हो सकता है। सामान्य लक्षण के कारण होम आइसोलेशन में रह रहीं वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. प्रमिला गुप्ता की अचानक मौत के बाद यह एक बार फिर चर्चा में है। डाक्टरों के अनुसार 90 प्रतिशत से ज्यादा आशंका इस बात की है कि कोरोना के कारण हुए हृदयाघात से उनकी मौत हुई होगी। वहीं कुछ विशेषज्ञों के अनुसार स्लीप एपनिया से पीड़ित संक्रमितों में अचानक आक्सीजन स्तर घटने से भी मौत हो सकती है। ऐसे में डाक्टर हृदय रोगियों या जिनके घर में किसी को हृदय रोग हो, उन्हें खास सावधानी बरतने की हिदायत दी है।

एम्स के कोरोना नोडल पदाधिकारी डा. संजीव कुमार ने बताया कि डा. प्रमिला को तीन से बुखार था और वे दवाएं ले रही थीं, ऐसे में कोरोना के कारण हुए एस्केमिक हार्ट डिजीज या कार्डियोमायोपैथी के कारण हुआ हृदयाघात भी मौत का कारण हो सकता है। एम्स पटना में दूसरी लहर के दौरान करीब 15 प्रतिशत मामले सामने आए थे।

इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के उपनिदेशक डा. एके झा के अनुसार डेल्टा की तरह ओमिक्रोन वैरिएंट भी हृदय की रक्त धमनियों में थक्के जमाता है। यह लक्षण वैक्सीन नहीं लेने वालों में ज्यादा देखा जा रहा है। अमेरिका-ब्रिटेन के बाद मुंबई व दिल्ली के अस्पतालों में भी ऐसे संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसके अलावा हृदय की मांसपेशियों के कमजोर होने से खून पंप करने की क्षमता हो जाती है। कोरोना के गंभीर रोगी जिनमें अनियंत्रित हार्मोन स्रावित होता है, साइटोकिन स्टार्म की स्थिति उत्पन्न होने से हृदयाघात की आशंका होती है। इसके अलावा एंटीवायरल दवाओं से भी हृदय की कार्यक्षमता कम होती है।

डा. एके झा ने बताया कि अमेरिका में सौ संक्रमितों की एमआरआइ कराकर कोरोना वायरस के हृदय पर पड़े दुष्प्रभाव को देखा गया। इसमें 50 प्रतिशत के हृदय में संक्रमण का दुष्प्रभाव देखा गया। वहीं, इनमें से सिर्फ 7 प्रतिशत ऐसे रोगी थे, जिनमें कोरोना के मध्यम लक्षण उभरे थे और उन्होंने डाक्टरों से परामर्श लिया था। ऐसे में ओमिक्रोन वायरस हृदय रोगियों के लिए घातक है और उन्हें अपनी नियमित दवाओं के साथ बीच-बीच में अपने डाक्टरों से परामर्श लेते रहना चाहिए। कुछ भी असहज महसूस होने पर तुरंत डाक्टर के पास जाकर कुछ जांच करा लेनी चाहिए।

समस्तीपुर से बड़ी खबर, पुराने सैंपल को ही आरटीपीसीआर जांच के लिए दोबारा भेजा

समस्तीपुर, एजेंसी। कोरोना जांच के लिए सैंपल लेने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केनद्र कल्याणपुर में बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पुराने सैंपल को ही जांच के लिए भेज दिया गया। 115 लोगों की आरटी-पीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव मिलने के बाद स्वास्थ्य प्रशासन ने जब संक्रमितों से संपर्क करना शुरू किया तो पता चला कि उन्होंने उस तारीख को सैंपल दिया ही नहीं है। जिलाधिकारी के आदेश पर सिविल सर्जन डा. सत्येन्द्र कुमार गुप्ता ने पूरे मामले की जांच कराई तो लैब टेक्निशियन दिनेश झा दोषी मिला। उसे निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में मुख्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहनपुर निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में मोहनपुर से प्राप्त अनुपस्थिति विवरणी के आधार पर पीएचसी कल्याणपुर से नियमानुकूल जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। विभागीय कार्यवाही संचालन को लेकर प्रक्रिया चल रही है।बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कल्याणपुर को प्रतिदिन आरटी-पीसीआर जांच के लिए 160 लोगों को सैंपल लेने का लक्ष्य मिला है।

प्रतापगढ़ में सीमेंटेड बेंच की खरीद से दो गुना अधिक हो रहा भुगतान, गड़बड़ी की जांच शुरू

प्रयागराज, एजेंसी। प्रतापगढ़ जिले की ग्राम पंचायतों में सीमेंटेड बेंच लगाने के नाम पर हो रही गड़बड़ी से इन्कार नहीं किया जा सकता है। एक ओर जहां यह बेंच दो से ढाई हजार रुपये के हिसाब से बिक रही है, वहीं ग्राम पंचायतों में बेंच लगाने के नाम पर अधिक भुगतान हुआ है।

जिले भर में 17 ब्लाक है। इसमें गौरा, शिवगढ़, आसपुर देवसरा, कुंडा, बिहार, मंगरौरा, लक्ष्मणपुर, कालाकांकर, रामपुर संग्रामगढ़, सदर, मानधाता, संडवा चंद्रिका सहित अन्य ब्लाक शामिल हैं। ग्राम पंचायतों में केंद्रीय वित्त सहित अन्य मद गांव के विकास के लिए आता है। ग्राम पंचायतों में इन दिनों सीमेंट बेंच लगाने में ग्राम प्रधान व सचिव अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं। यहां तक कि कई गांवों में एक दो नहीं बल्कि आधा दर्जन से लेकर एक दर्जन तक बेंच लगाई गई है। एक दो बेंच में पैसे की बचत कम होगी, इसलिए अधिक बेंच लगाने पर जोर दिया गया।

डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि बेंच खरीदने के नाम पर हुए अधिक भुगतान का मामला संज्ञान में आया है। सभी ब्लाकों के एडीओ पंचायत से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा।

बेंच के नाम पर जो भुगतान हुआ है, उसमें ग्राम प्रधान व सचिव की सहमति थी। अपने चहेतों के फर्म पर ही भुगतान हुआ है। इसमें ग्राम प्रधान व सचिव ने फर्म संचालक को भी लालच दी। फिलहाल अपना हिस्सा लेने के बाद ही संचालक ने बाकी पैसा प्रधान व सचिव को दिया है।

जयपुर के प्रापर्टी डीलर का था मथुरा में रेल लाइन पर मिला शव, हत्या की आशंका

आगरा, एजेंसी। मथुरा-दिल्ली रेल लाइन पर छाता स्थित बरसाना रेल फाटक के पास मिले युवक के शव की मंगलवार को शिनाख्त हो गई। शव जयपुर के एक प्रापर्टी डीलर और पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त के कारोबारी का था। मृतक के मामा और चाचा ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंच कर शव की पहचान की। स्वजन ने युवक की हत्या कर शव रेल लाइन पर फेंक दिए जाने की आशंका व्यक्त की है।

मथुरा-दिल्ली रेल लाइन पर छाता स्थित बरसाना रेल फाटक के पास सोमवार को 38 वर्षीय युवक का शव मिला था। मृतक की जेब से पुलिस को आधार कार्ड भी मिला था, जो जयपुर के थाना अमरसर क्षेत्र के गांव जगतपुरा निवासी चंद्रभान पौनिया का था। थाना छाता पुलिस ने इसकी जानकारी अमरसर थाना पुलिस को दी। अमरसर थाना पुलिस की सूचना पर चंद्रभान पौनिया के चाचा बंशीधर पौनिया और मामा काढोराम मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे। मृतक की शिनाख्त उन्होंने चंद्रभान पौनिया के रूप में की। मृतक के चाचा और मामा ने बताया, चंद्रभान जयपुर में प्रापर्टी डीलर और पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त का कारोबार करते थे। चंद्रभान पौनिया नौ जनवरी की सुबह करीब दस बजे घर से निकले थे । , लेकिन इसके बाद लौट कर नहीं आए। सोमवार को अमरसर पुलिस ने उनको सूचना दी कि चंद्रभान की शव छाता थाना क्षेत्र में मिला है।

बसपा प्रमुख मायावती और सतीश चन्द्र मिश्रा नहीं लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, सरकार बनाने का भरोसा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन की तारीख घोषित होने के बाद सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो गए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ तथा सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चुनाव लडऩे की घोषणा करने के बीच बहुजन समाज पार्टी ने भी अपने पत्ते खोले हैं।

बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चन्द्र मिश्रा ने पार्टी के प्रचार अभियान के दौरान अपने दल की योजना को मीडिया से साझा किया। सतीश चन्द्र मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं मैं भी विधानसभा के चुनावी मैदान में नहीं उतरूंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी 403 सीट पर लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी के पास 400 प्रत्याशी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी के पास उम्मीदवार नहीं होंगे, तो वह 400 सीटें कैसे जीतेंगे। सतीश चन्द्र मिश्रा का दावा है कि प्रदेश में ना तो सपा सत्ता में आएगी और न ही भाजपा।

कानपुर मेट्रो में सफर होगा और भी सुहाना, जल्द ही घर बैठे बुक करा सकेंगे टिकट

कानपुर, एजेंसी। आइआइटी से मोतीझील के बीच मेट्रो में सफर करने वाले शहरवासियों को घर बैठे टिकट मिल सकेगी। पेपर टिकट लेने के लिए उन्हें मेट्रो स्टेशन के काउंटर पर जाकर लाइन नहीं लगानी होगी। मेट्रो प्रशासन ने फरवरी माह के पहले सप्ताह में कानपुर मेट्रो एप लांच करने की तैयारी पूरी कर ली है। नई व्यवस्था लागू होने से लोगों को कतार में खड़े होने से निजात मिलेगा।

29 दिसंबर से मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू होने से अब तक टिकट काउंटर से यात्रियों को पेपर टिकट दिए जा रहे हैं। वर्तमान समय में रोजाना करीब 15 हजार यात्री मेट्रो में सफर कर रहे हैं। इस वजह से टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ हो रही है। कोरोना के लगातार बढ़ रहे खतरे के बीच यह सुविधा कोरोना प्रसार को रोकने में मददगार बनेगी।

प्रत्येक स्टेशन के लिए अलग होगा क्यूआर कोड- क्यूआर कोड आधारित टिकट के लिए लोगों को अपने मोबाइल फोन पर कानपुर मेट्रो का एप रखना होगा। वहां अपना नाम रजिस्टर करवाकर टिकट खरीदा जा सकेगा। प्रत्येक स्टेशन के लिए अलग क्यूआर कोड होगा। जिस मोबाइल से टिकट खरीदा जाएगा, सिर्फ उसी मोबाइल से क्यूआर कोड काम करेगा। जिस स्टेशन से यात्री ट्रेन में चढ़ेंगे और जिस स्टेशन में उतरेंगे, उसका नाम एप में लिखना होगा। आनलाइन किराए का भुगतान करने पर यात्री के मोबाइल में क्यूआर कोड आ जाएगा। उसके बाद गेट के पास जाने पर स्कैनर उस कोड को स्वीकार कर लेगा और गेट खुल जाएगा। स्टेशन में प्रवेश करने व निकलते समय कोड को स्कैन करना होगा।

दिव्यांग युवक हत्याकांड में मुख्य आरोपित सगा भाई व सहयोगी गिरफ्तार

बक्सर, एजेंसी। एक साल पूर्व होली से ठीक एक दिन पहले शाम को मुरार थाना क्षेत्र के फफदर गांव के समीप दिव्यांग युवक की हत्या करने मामले में मुख्य आरोपित सगा भाई तथा उसके एक सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग में बाधक बनने के कारण दिव्यांग युवक की उसके सगे छोटे भाई ने ही अपने साथियों के साथ नृशंस तरीके से हत्या कर शव को कुएं में डाल दिया था। इस हत्याकांड में एक आरोपित को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

दिव्यांग युवक की हत्या मामले में उसे सगे भाई सहित दो की गिरफ्तारी के बाद सोमवार को पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि हत्या की होली की पूर्व संध्या 28 मार्च 2021 को फफदर गांव निवासी सुरेंद्र सिंह के दिव्यांग पुत्र रविकांत होली के सामान की खरीदारी कर अपनी ट्राइसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मसहिंयां और फफदर गांव के बीच सुनसान स्थान पर उसके छोटे भाई ओमप्रकाश ने गांव के ही जितेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना तथा दोस्त औरंगाबाद के पौधु थाना क्षेत्र अंतर्गत अलपा गांव निवासी बन्नी उर्फ बनवारी के साथ मिलकर अपने भाई रविकांत की नृशंस तरीके से हत्या कर शव को बगीचे के कुएं में फेंक दिया था। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने सड़क पर बिखरे खून और दिव्यांग की ट्राइसाइकिल को देखकर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने रात में कुएं में युवक का शव पड़ा देखा। रात में अंधेरा होने के कारण अगली सुबह युवक का शव कुएं से बाहर निकाला गया। अनुसंधान के क्रम में कुछ ही दिनों बाद पुलिस ने मुन्ना को गिरफ्तार कर लिया था, जिसने अपने स्वीकारोक्ति बयान में पूरी साजिश का खुलासा करते बताया कि रविद्र के भाई ओमप्रकाश द्वारा हत्या की रची गई साजिश के तहत उनलोगों ने हत्या की थी। इसके बाद से पुलिस हत्यारोपी सगे भाई ओमप्रकाश तथा उसके सहयोगी बन्नी उर्फ बजरंगी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयासरत थी। अनुसंधान के लिए डुमरांव डीएसपी के नेतृत्व में टीम का गठन कर छानबीन की जा रही थी। खोजबीन के लिए पुलिस ने डाग स्क्वायड का भी इस्तेमाल किया था। इस बीच पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद डुमरांव स्टेशन से रविवार की शाम छापेमारी कर ओमप्रकाश तथा उसके सहयोगी बन्नी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस की पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि दिव्यांग रविद्र के छोटे भाई ओमप्रकाश का पास के ही एक गांव की शादीशुदा युवती से प्रेम संबंध चल रहा था। बाद में उस युवती को भगाकर ओमप्रकाश ने शादी भी रचा ली थी। दिव्यांग रविद्र इस बात का बराबर विरोध करते थे और ओमप्रकाश को घर में घुसने नहीं देते थे।

मुजफ्फरपुर ब्वायलर विस्फोट कांड की जांच रिपोर्ट तैयार, पर अभी जारी नहीं करेगी बिहार सरकार

पटना, एजेंसी। पिछले 26 दिसंबर को बिहार के मुजफ्फरपुर के बेला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-टू स्थित नूडल्स फैक्ट्री अंशुल स्नैक्स एंड विवरेज प्राइवेट लिमिटेड का बायलर फटने की दोबारा उच्चस्तरीय जांच होगी। श्रम संसाधन मंत्री जिवेश कुमार ने सोमवार को बताया कि घटना की जांच रिपोर्ट आ गई है, लेकिन इसे जारी नहीं किया जाएगा। चूंकि बायलर विस्फोट की घटना गृह विभाग से भी संबंधित है। इसलिए सरकार ने फैसला किया है कि गृह विभाग के आला अधिकारी भी जांच करने के लिए जाएंगे। उनके साथ श्रम संसाधन विभाग और पुलिस महकमे के भी अधिकारी होंगे।

आपको बता दें कि इस घटना में कई लोग मारे गए थे। घटनास्थल से मजदूरों के इतने क्षत-विक्षत शव मिले थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल था। कई मजदूरों के केवल कुछ अंग ही परिवार को हासिल हो सके थे। इस धमाके से मुजफ्फरपुर के बेला औद्योगिक क्षेत्र के आसपास का इलाका दहल गया था। तीन किलोमीटर तक लोगों को भूकंप का झटका जैसा महसूस हुआ था। सरकार ने मृतकों को अपनी तरफ से मुआवजा दिया था और साथ ही फैक्ट्री मालिक को भी सभी परिवारों को हर्जाना देने का निर्देश दिया गया था।

श्रम संसाधन मंत्री ने बताया कि नियमानुसार इस घटना की जांच संयुक्त टीम को करना है। इसमें तीन-चार अफसर शामिल होंगे। जल्द ही घटना की जांच करने के लिए टीम मौके पर जाएगी। इसके बाद जो रिपोर्ट आएगी, उसे सार्वजनिक किया जाएगा।

B-8_Layout 1 1/11/2022 7:14 PM Page 1

आयरलैंड क्रिकेट टीम में कोरोना से दहशत वेस्टइंडीज के साथ दूसरा वनडे हुआ स्थगित

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच मंगलवार को होने वाला दूसरा वनडे इंटरनेशनल मुकाबला स्थगित कर दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) और क्रिकेट आयरलैंड ने संयुक्त बयान जारी करके कहा कि टीम में कोरोना वायरस संक्रमण के दो और मामले पाए गए हैं जबकि दो खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं, जिससे टीम काफी कमजोर हो गई है। नामों का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन आयरलैंड के कुल पांच खिलाड़ी पृथकवास में हैं। पॉल स्टर्लिंग, सिमी सिंह और बेन वाइट पिछले हफ्ते पॉजिटिव पाए गए थे और शनिवार को पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे जिसे मेजबान टीम ने 24 रन से जीता था।
दोनों बोर्ड कार्यक्रम की समीक्षा कर रहे हैं और उन्हें वनडे सीरीज पूरी एकमात्र टी20 मुकाबला रविवार को होना है। ये सभी मुकाबले किंगस्टन के सबीना पार्क में खेले जाने हैं। आयरलैंड का अमेरिका और वेस्टइंडीज का दौरा बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।
अमेरिका के खिलाफ 26 से 30 दिसंबर तक होने वाली आयरलैंड की तीन मैचों की वनडे सीरीज कोरोना के कारण रद्द कर दी गई थी। शुरुआत में ये मामले मैच अधिकारियों के बीच आए थे। आयरलैंड के स्टाफ का एक सदस्य और कई अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे वनडे से पहले पॉजिटिव पाए गए थे। मामले बढ़े और दोनों टीम को करीबी संपर्क मानकर सीरीज रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड की जोरदार वापसी, 3 दिन में ही बांग्लादेश को पारी और 117 रन से धोया

नई दिल्ली। पहले टेस्ट में मिली करारी हार के बाद मेजबान न्यूजीलैंड ने क्राइस्टचर्च में जोरदार वापसी की है। न्यूजीलैंड ने अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश को दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे ही दिन मंगलवार को पारी और 117 रन से करारी मात दी। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई। इससे पहले, बांग्लादेश ने चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए पहले टेस्ट में शानदार जीत दर्ज की थी। डेवॉन कॉनवे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। कॉनवे ने अब तक दो टेस्ट सीरीज खेले हैं और दोनों में वे मैन ऑफ द सीरीज रहे हैं।
क्राइस्टचर्च के हेगले मैदान पर मेजबान न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 6 विकेट पर 521 रन बनाकर घोषित की। कीवी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन कप्तान टॉम लाथम और डेवन कॉनवे ने बनाए। लाथम ने अपने करियर का दोहरा शतक लगाते हुए 252 रन बनाए। वहीं, डेवॉन कॉनवे ने भी शतकीय पारी खेलते हुए 109 रन का योगदान दिया।
न्यूजीलैंड के इस बड़े स्कोर के सामने बांग्लादेश की टीम टिक नहीं पाई और वे दो पारियां खेलने के बाद भी पार नहीं पा सकी।
न्यूजीलैंड के बड़े स्कोर के आगे बांग्लादेश की पहली पारी केवल 126 रन पर सिमट गई और मैच के तीसरे दिन मेहमान टीम को फॉलोऑन खेलना पड़ा। न्यूजीलैंड के लिए पहली पारी में ट्रेंट बोल्ट ने 5 विकेट, टिम साउदी ने 3 और काइल जेमिसन ने 2 विकेट चटकाए। फॉलोऑन खेलते हुए बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 278 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए दूसरी पारी में नील वैगनर और काइल जैमिसन ने 3-3 विकेट झटके। इस जीत के बाद न्यूजीलैंड ने अपने स्टार बल्लेबाज रॉस टेलर को विजयी विदाई दी है।
टेलर ने अपने आखिरी टेस्ट में दूसरी पारी में इबादत हुसैन को आउट किया और अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने इबादल को कप्तान टॉम लाथम के हाथों कैच कराया। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टेलर का यह तीसरा विकेट था। टेलर ने पहले कहा था कि यह सीरीज उनकी आखिरी सीरीज है।

टेस्ट में टॉस जीतने का विराट कोहली का नया रिकॉर्ड, शामिल हुए खास लिस्ट में

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इस टॉस को जीतने के साथ ही विराट कोहली ने एक खास मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ की बराबरी कर ली है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा टॉस जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ के नाम दर्ज है। विराट कोहली ने 31वीं बार टेस्ट मैच में टॉस जीता है और इस तरह से उन्होंने वॉ की बराबरी कर ली है। ग्रीम स्मिथ अपने कप्तानी करियर में 60 टेस्ट मैचों में टॉस जीत चुके हैं, वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर हैं, जिन्होंने 46 टेस्ट मैचों में टॉस जीता है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अपने कप्तानी करियर में 37-37 बार टेस्ट मैचों में टॉस जीत चुके हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान क्लाइव लॉयड और इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट कप्तान जो रूट वहीं 35-35 बार टेस्ट मैच में टॉस जीत चुके हैं। इस तरह से विराट 30 से ज्यादा बार टॉस जीतने वाले कप्तानों की लिस्ट में महज सातवें खिलाड़ी बन गए हैं।
बतौर खिलाड़ी यह विराट के करियर का 99वां टेस्ट मैच है। जबकि कप्तान के तौर पर यह उनका 68वां टेस्ट मैच है। विराट की कप्तानी में टीम इंडिया 40 टेस्ट मैच जीत चुकी है, जबकि 16 बार टीम को हार का सामना करना पड़ा है, वहीं 11 टेस्ट मैच ड्रॉ पर छूटे हैं।

ऑक्शन 2021 के सबसे महंगे खिलाड़ी ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर क्रिस मौरिस ने क्रिकेट के सभी फॉर्म से संन्यास की घोषणा कर दी है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 का मेगा ऑक्शन अगले महीने ही होना है, ऐसे में मौरिस का यह फैसला थोड़ा चौंकाने वाला है। आईपीएल ऑक्शन 2021 में वह सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे, राजस्थान रॉयल्स ने इस खिलाड़ी के लिए 16.5 करोड़ रुपये खर्चे थे। आने वाले सीजन में वह दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम टाइटन्स के लिए कोच का पद का संभालेंगे। क्रिस मौरिस ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की।
उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज मैं क्रिकेट के सभी फॉर्म से संन्यास की घोषणा करता हूं। जिन्होंने भी मेरे इस सफर में बड़ा या छोड़ा रोल निभाया उन सभी को शुक्रिया, यह काफी मजेदार सफर रहा। टाइटन्स के लिए कोचिंग रोल लेकर मैं बहुत खुश हूं। क्रिस मौरिस ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से चार टेस्ट, 42 वनडे और 23 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। तीनों फॉर्मेट में वह क्रम से 12, 48 और 34 विकेट ले चुके हैं और 173, 467 और 133 रन बना चुके हैं। मौरिस ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च 2019 में खेला था।

इशांत शर्मा के टीम में जगह नहीं मिलने से फैंस विराट कोहली से हुए नाराज

नई दिल्ली। भारत के नियमित कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मिस करने के बाद तीसरे टेस्ट में वापसी की है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में तीसरा और निर्णायक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जोहानिसबर्ग टेस्ट में पीठ में जकड़न के कारण नहीं खेल सके विराट कोहली अपने 99वें टेस्ट मैच में खेलने के लिए उतरे हैं।
विराट कोहली के टीम में वापस आने से जहां कुछ फैंस खुश दिखे, तो वहीं टीम के सबसे अनुभवी गेंदबाज इशांत शर्मा के प्लेइंग इलेवन से बाहर होने के फैसले पर कुछ फैंस काफी नाराज हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में चोटिल मोहम्मद सिराज की जगह उमेश यादव को शामिल किया गया है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद कोहली ने दो अनुभवी तेज गेंदबाजों में से किसी एक को चुनना के फैसले को मुश्किल बताया। इशांत ने अब तक 105 टेस्ट मैचों में 311 विकेट लिए हैं, जिसमें 11 बार पांच विकेट लिए हैं। कोहली ने कहा, पिच अच्छी लग रही है, उस पर घास है लेकिन इस जगह पर बोर्ड पर रनों के होने से अच्छे नतीजे मिले हैं। हम उसके बाद उन पर दबाव बनाने के लिए अपने गेंदबाजों के कौशल का उपयोग करेंगे। इशांत (शर्मा) या उमेश को खेलना है या नहीं, यह एक कठिन फैसला था, लेकिन उन्होंने हाल ही में बहुत अच्छी गेंदबाजी की है।
इशांत की जगह उमेश को शामिल करने का निर्णय कुछ फैंस को पसंद नहीं आया, इस तथ्य को देखते हुए कि भारतीय टीम प्रबंधन ने हाल ही में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे सीनियर्स का समर्थन किया है। भारतीय टीम प्रबंधन ने पुजारा और रहाणे की अनुभवी लेकिन संघर्षरत जोड़ी का समर्थन किया है, खासकर जब विहारी और श्रेयस अय्यर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

अजिंक्य रहाणे टीम से बाहर हुए तो यह उनके करियर के लिए अच्छा संकेत नहीं : विनोद कांबली

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली को लगता है कि चोटिल मोहम्मद सिराज की जगह टीम इंडिया के प्लेइंग इलेवन में उमेश यादव को जगह मिलनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कप्तान विराट कोहली की टीम में वापसी से हनुमा विहारी या अजिंक्य रहाणे का प्लेइंग इलेवन से पत्ता कट सकता है। विनोद कांबली का मानना है कि अगर रहाणे प्लेइंग इलेवन से आउट होते हैं, तो यह उनके टेस्ट करियर के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा। रहाणे को दक्षिण अफ्रीका दौरे से ठीक पहले उप-कप्तानी के पद से हटाया गया, इसके अलावा लगातार उनकी खराब फॉर्म भी चिंता का सबब बनी हुई है।
रहाणे ने हालांकि जोहानिसबर्ग टेस्ट की दूसरी पारी में पचासा जड़कर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं और टीम मैनेजमेंट ने भी उनको लगातार बैक किया है, ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी जगह हनुमा ही टीम से आउट होंगे। वहीं चोटिल सिराज की जगह इशांत शर्मा या उमेश यादव में से किसी एक के प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की चर्चा है। कांबली का मानना है कि उमेश ही सिराज का बेस्ट रिप्लेसमेंट होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे लगता है कि तीसरे टेस्ट मैच में सिराज की जगह उमेश यादव को मौका मिलना चाहिए। इसके अलावा ये देखना दिलचस्प होगा कि विराट कोहली की टीम में वापसी किस खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन से बाहर करती है, रहाणे या फिर हनुमा विहारी? अगर रहाणे को टीम से बाहर किया गया तो ये उनके करियर के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा।
भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। सीरीज का पहला मैच सेंचुरियन में खेला गया था, जिसे भारत ने 113 रनों से जीता था, इसके बाद जोहानिसबर्ग में मेजबान टीम ने वापसी करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की थी। सीरीज का तीसरा और निर्णायक टेस्ट आज से केप टाउन में खेला जाना है। भारत ने आजतक केप टाउन में कोई टेस्ट मैच नहीं जीता है और ना ही दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज जीती है।

जब राहुल द्रविड़ को आया था इतना गुस्सा कि ड्रेसिंग रूम में उठाकर फेंक दी थी कुर्सी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ को दुनिया के सर्वकालिक बेस्ट टेस्ट बल्लेबाजों में गिना जाता था। राहुल का डिफेंस इतना तगड़ा था कि उनका नाम मिस्टर वॉल रख दिया गया था। राहुल द्रविड़ आज (11 जनवरी) अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। द्रविड़ के शांत स्वभाव की काफी चर्चा होती है, लेकिन एक बार ऐसा भी हो चुका है, जब उनके गुस्से से पूरी टीम इंडिया हिल गई थी। किस्सा है साल 2006 का जब इंग्लैंड टीम भारत के दौरे पर आई हुई थी। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर छूटी थी। मुंबई टेस्ट में टीम इंडिया की हालत जैसे ही पतली हुई, राहुल का पारा चढ़ गया था। शांत स्वभाव के लिए मशहूर द्रविड़ ने ड्रेसिंग रूम में गुस्से में कुर्सी फेंक दी थी।
सीरीज का पहला टेस्ट नागपुर में खेला गया था, जो ड्रॉ पर छूटा था। दूसरा टेस्ट मैच मोहाली में खेला गया था, जिसे भारत ने 9 विकेट से जीतकर सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। फिर सीरीज का निर्णायक टेस्ट मैच हुआ था मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में। भारतीय टीम को जीत के लिए 313 रनों का लक्ष्य मिला था, जवाब में टीम इंडिया ने 75 रनों पर चार विकेट गंवा दिए थे। टीम इंडिया इस मैच में 100 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। द्रविड़ 60 गेंद पर 9 रन बनाए थे। द्रविड़ इस हार से इतना गुस्से में थे कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में कुर्सी उठाई और उसको घुमाकर फेंक दिया। राहुल द्रविड़ का इंटरनेशनल करियर काफी शानदार रहा है। उन्होंने भारत की ओर से कुल 164 टेस्ट, 344 वनडे और एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेला है। द्रविड़ के खाते में 13288 टेस्ट, 10889 वनडे इंटरनेशनल रन दर्ज हैं। उन्होंने 36 टेस्ट और 12 वनडे शतक लगाए हैं। द्रविड़ शानदार बल्लेबाज होने के साथ-साथ शानदार फील्डर भी रहे हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर विकेटकीपर की भी भूमिका निभाई है।

काइल जैमीसन ने यासिर अली को आउट कर किया अभद्र भाषा का इस्तेमाल

दुबई। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ करा ली है। पहला टेस्ट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड ने जबर्दस्त वापसी की और तीन दिन के अंदर ही मैच एक पारी और 117 रनों से जीत लिया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन पर क्राइस्टचर्च टेस्ट के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। दरअसल जैमीसन ने बांग्लादेश के खिलाड़ी यासिर अली को आउट करने के बाद अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसके चलते उन पर यह जुर्माना लगाया गया। आईसीसी के बयान के मुताबिक जैमीसन ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया जो एक इंटरनेशनल मैच के दौरान ऐसी भाषा, एक्शन या हाव भाव का इस्तेमाल करने से संबंधित है जो एक बल्लेबाज को आउट होने बाद आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकता है।

आखिरी टेस्ट में सपना सच होने पर भावुक हुए रॉस टेलर

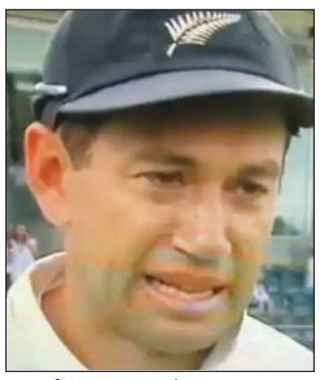

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज रॉस टेलर ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर 15 साल के टेस्ट करियर की अंतिम गेंद पर विकेट और बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज बराबर कराने वाली जीत से बेहतर विदाई की उम्मीद नहीं कर सकते थे और यह स्टार बल्लेबाज सहमत है कि यह शानदार रहा। टेलर ने अपने टेस्ट करियर का अंत इबादत हुसैन को आउट करके किया जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को बांग्लादेश को पारी और 117 रन से हराकर दो मैच की सीरीज 1-1 से बराबर दी। भावुक टेलर ने मैच के बाद कहा, करियर का अंत जीत और विकेट के साथ करना शानदार है, मैं जीत के साथ करियर खत्म करना चाहता था और खिलाड़ियों ने ऐसा किया। बांग्लादेश ने कई बार हमें काफी दबाव में डाला, यह उचित है कि हम इस सीरीज को साझा करेंगे।
बांग्लादेश का नौवां विकेट गिरते ही हेगले ओवल में मौजूद दर्शकों ने टेलर का नाम लेना शुरू कर दिया और दर्शकों की बात को मानकर कप्तान टॉम लैथम ने उन्हें गेंद सौंपी। सैंतीस साल के टेलर की तीसरी ही गेंद पर इबादत ने न्यूजीलैंड के कप्तान को कैच थमा दिया जिससे 112 टेस्ट में इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपना सिर्फ तीसरा टेस्ट विकेट हासिल किया। टेलर ने इससे पहले 2010 में न्यूजीलैंड के भारत दौरे के दौरान हरभजन सिंह और एस श्रीसंत के रूप में दो विकेट हासिल किए थे। टेलर ने अपने पूरे टेस्ट करियर में सिर्फ 16 ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने पिछली बार आठ साल पहले गेंद थामी थी। टेलर ने कहा, सीरीज शानदार रही- मैं सोच रहा था कि क्या कल हमें दोबारा मैदान पर उतरना होगा लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंत में यह थोड़ा रोचक हो गया, मैंने विकेट हासिल और टॉम ने कहा कि पूरे मैच में यह मेरे लिए सबसे अनमोल चीज रही।

डियर साप्ताहिक लॉटरी के ₹1 करोड़ की विजेता बनीं

प. बंगाल की हावड़ा निवासी बिमला देवी डागा

प. बंगाल, 11 जनवरी। प. बंगाल की हावड़ा निवासी बिमला देवी डागा डियर साप्ताहिक लॉटरी के 1 करोड़ की विजेता बन गई हैं। इस तरह बिमला देवी डागा ने भी डियर के करोड़पति की सूची में नाम लिखा लिया है। उसने 15-10-2021 तिथि को नगालैंड स्टेट लॉटरी के डियर मार्निंग ड्रा का टिकट खरीदा। खेला का नाम है-डियर हुगली मार्निंग। उसी दिन उन्हें पता चला कि उन्होंने जो टिकट खरीदा था उसे 1 करोड़ का प्रथम पुरस्कार मिला है। लक्की टिकट का नंबर है-92सी 67576। पहले तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ। बाद में उन्हें पता चला कि समाचार सही है। बिमला देवी डागा ने बताया कि डियर साप्ताहिक लॉटरी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। प्रत्येक खेला का सीधा प्रसारण होता है। इसीलिए लोग आकर्षित हो रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक ममता वाजपेयी द्वारा 4, केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक : राजेन्द्र नारायण वाजपेयी।**
Phone : 2236-1572, 2211-9429, E-mail - bharatmitra1@gmail.com, Fax No.- 033-2215-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये, गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन